

ARBIT



...Saving The Gaianda

Lord Curzon mentions that the rhinoceros had disappeared everywhere save in Assam, yet he does not mention any personal intervention.

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

EQUESTRIAN SPORTS: Revitalizing Polo & Riding

Jaipur now has a revamped centre to learn the skill of horse riding



अक्सर कहा जाता है कि, बिग कैट्स पानी को पसंद नहीं करते, लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। एक नए शोध से पता चला है कि, कुछ नर कुगर (पूमा) ना केवल तैरते हैं बल्कि जहाजों और ओर्को से बचते हुए समुद्र में लम्बी यात्रा भी करते हैं। यह शोध जी.पी.एस. कॉलर वाले एक कुगर पर केन्द्रित है, जिसका नाम "एम वन 61" या नोलन है। नोलन 16 जुलाई 2020 को सुबह के समय वाशिंगटन स्टेट में ओलम्पिक प्रायद्वीप के छोर से सैलिश सी में गिर गया था। गिरते ही उसने तैरना शुरू कर दिया और स्वाक्सिस आईलैंड पहुंचने तक तैरता रहा। इस दौरान उसने एक कि.मी. की दूरी तय की। नोलन एकमात्र कुगर नहीं है जो तैरना जानता है, कई अन्य कुगर भी तैर सकते हैं। उदाहरण के लिए, शोध के सहलेखक और अन्तर्राष्ट्रीय वाइल्ड कैट कंजर्वेशन एन.जी.ओ. पैथेरा में पूमा प्रोग्राम के डायरेक्टर, मार्क एल्वॉय का कहना है कि, उन्होंने 2010 में चिली के पैटागोनिया में लम्बी दूरी तक तैरने वाले एक कुगर को ट्रैक किया था, जो कई बार झील के उस द्वीप तक तैरकर गया जहाँ भेड़ें रहती थीं। लेकिन कुछ ही वैज्ञानिक अध्ययनों में इस तथ्य पर फोकस किया गया है। मार्क ने कहा, मुझे यकीन है कि ये कई वर्षों से तैर रहे हैं। एल्वॉय कहते हैं कि, कुगर के तैरने के सबूतों के लिखित प्रमाण तैयार करना इस प्रजाति के संरक्षण के लिए जरूरी है, क्योंकि यह तथ्य उनकी रेंज व आवास की कर्नेक्टिविटी को लेकर बनी धारणाओं को चुनौती देता है। नोलन की यात्रा के आधार पर शोध लेखकों ने अनुमान लगाया कि, ब्रिटिश कोलम्बिया में च्यूजैट साउण्ड और लारकॉम द्वीपों के दक्षिणी भाग के बीच जो 6153 आइलैंड्स हैं, उनमें से 3808 द्वीपों पर कुगर छोटी-छोटी दूरी तक तैरकर पहुंच सकते हैं और लम्बी दूरी तक तैरकर 4,583 आइलैंड्स इस तक पहुंचने में सक्षम हैं। जीव वैज्ञानिक ग्लैन कालीश, जो शोध में शामिल नहीं थे, ने कहा कि "एक आइलैंड से दूसरे आइलैंड तक जाने की क्षमता से कुगर को नए आवास ढूँढने में मदद मिलती है। मुझे लगता है कि कुगर नए क्षेत्र में जाने का हर संभव रास्ता अपना रहे हैं, चाहे इसके लिए उन्हें समुद्र के ठंडे पानी में खतरों से जूझते हुए तैरना ही क्यों ना पड़े।"

अध्यक्ष बने सौ दिन से ज्यादा हो गये, पर खड़गे अभी तक टीम क्यों नहीं बना पा रहे?

इस स्थिति में पार्टी में "कन्फ्यूजन" होना और कई पावर सेंटर बनना लाजमी है

- जैसा कि विदित ही है, खड़गे को पूरी सी.डब्ल्यू.सी. मनोनीत करने के अधिकार भी मिले थे, कांग्रेस अधिवेशन में।
- यह अधिकार उन्हें मुख्य रूप से दिल्ली में सक्रिय पुराने नेताओं के दबाव में मिला था। ये नेता गण सी.डब्ल्यू.सी. का चुनाव नहीं चाहते। वो सभी सी.डब्ल्यू.सी. के सदस्यों के मनोनयन की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रखना चाहते हैं, क्योंकि चुनाव में उनका जीत कर आना नामुमकिन सा है।
- ऐसा कहा जाता है कि, राहुल गांधी भी चुनाव कराने के पक्ष में थे, पर, फिर वे रायपुर अधिवेशन में इतनी देर से क्यों आये, कि, तब तक सी.डब्ल्यू.सी. सदस्यों के मनोनयन का निर्णय हो चुका था।
- अब मनोनयन, खड़गे के गले में घंटी हो गया है, क्योंकि कई पावर सेंटर हैं, जिसमें राहुल, प्रियंका व सोनिया भी शामिल हैं और अपने-अपने आदमी को मनोनीत कराना चाहते हैं।
- उदाहरण के लिये, खड़गे वेणु गोपाल व जयराम रमेश को हटाना चाहते हैं। पर, राहुल ने वेणु गोपाल को हटाने की स्वीकृति नहीं दी तथा जयराम रमेश के लिये कहा, "सोचेंगे।"

11 हजार करोड़ रु. ठगने के आरोपियों की जमानत पर सुनवाई आज

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। प्रदेश के हजारों लोगों से 11 हजार करोड़ रूप से अधिक की ठगी करने के आरोप में कई महीनों से जेल में बंद नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के निदेशक रणवीर सिंह बिजारणिया, सुभाष चन्द्र बिजारणिया, बोधू राम और गोपाल सिंह की जमानत याचिकाओं पर हाईकोर्ट

विपक्ष की एकता के सम्मेलन की चमक कुछ कम हुई

तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव व तेलगुदेशम के चन्द्रबाबू नायडू की अनुपस्थिति काफी खलेगी

- श्रीनंद झा-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 8 जून। विपक्षी दलों के 15 नेताओं ने जहाँ पटना में होने वाली गैर भाजपा दलों की मीटिंग में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी बताते हैं, वहीं विचार का केन्द्र वो नेता बने हुये हैं, जो इस मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। ये नेता हैं-तेलंगाना राष्ट्र समिति के के. चन्द्रशेखर राव, तेलुगुदेशम के एन. चन्द्रबाबू नायडू, बीजू जनता दल के नवीन पटनायक तथा व्हाई.एस.आर. कांग्रेस के जगनमोहन रेड्डी। दो असफल प्रयासों के बाद, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी के निवेदन पर, यह मीटिंग अब 23 जून को रखी गई है। मीटिंग को आम खिसकाने का एक कारण यह भी था कि, मीटिंग की पूर्व तिथि, 12 जून को तमिलनाडू के मुख्यमंत्री तथा टी.एम.के. (द्रमुक) नेता एम.के. स्टालिन उपलब्ध नहीं थे। इसका श्रेय इस मीटिंग की एंकरिंग कर रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही जायेगा, जो उन दलों के नेताओं को भी एक जजम पर लाने में सफल हो गये हैं, जिन्हें कांग्रेस को लेकर कुछ आपत्तियाँ हैं। ये नेता हैं- आम आदमी पार्टी (आप) के अरविन्द केजरीवाल, सपा के अखिलेश यादव तथा तृणमूल की ममता बनर्जी। लेकिन खासतौर से के.सी.आर. और चन्द्रबाबू
- वैसे उड़ीसा के मु.मंत्री बीजू पटनायक व आंध्र के मु.मंत्री तो पहले से ही भाजपा से नजदीकी के कारण विपक्ष के सम्मेलन में आने के बारे में अनिश्चित थे।
- पन्द्रह विपक्षी दल जरूर पटना पहुंचेंगे 23 जून को, सम्मेलन में भाग लेने के लिये।
- नीतीश कुमार की सबसे बड़ी सफलता इस सम्मेलन के आयोजित करने के बारे में यह है, कि, कई पार्टियाँ, जैसे तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व यू.पी. की समाजवादी पार्टी, कांग्रेस से दूरी रखने की इच्छा रखते हुए भी सम्मेलन में भाग लेने पटना आ रही हैं।

क्या आपको कम सुनाई देता है। कान की मशीनें स्पीच थेरेपी फ्री सुनाई की जाँच TRIAL OF HEARING AID CALL FOR APPOINTMENT +91 94602 07080 PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS Tonk Road, JAIPUR | Valsahi Nagar, JAIPUR www.perfecthearingsolutions.com

पुरानी पेंशन योजना के खिलाफ याचिका दायर

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में ओल्ड पेंशन स्कीम (ओ.पी.एस.) को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है और उक्त स्कीम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दोबारा वसुंधरा राजे को हाई कमान ने सलाह-मशविरा के लिये दिल्ली बुलाया

पिछले गत कई महीनों की अनदेखी के बाद, दोबारा निमंत्रण आना चर्चा का विषय है, राजनीतिक हलकों में

- जाल खंबाता-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 8 जून। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भाजपा नेतृत्व दो बार फिर गुरुवार को नई दिल्ली बुलाया और विधानसभा चुनावों पर चर्चा की। भाजपा नेतृत्व का यह रूख गत कुछ की माह राजे को अलग थलग रखने की रणनीति से एकदम अलग है। कर्नाटक चुनावों से सबक लेकर भाजपा आगामी चुनाव प्रधानमंत्री की ताकत और क्षेत्रीय नेताओं की लोकप्रियता के आधार पर लड़ना चाहती है जिसमें वसुंधरा राजे भी शामिल हैं। बुधवार को राजे और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोषी की मुलाकात हुई थी जिसमें राजे की मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने की मांग पर चर्चा हुई। उन्हें गुरुवार को पुनः नई दिल्ली में उपस्थित रहने को कहा गया। गुरुवार को केन्द्रीय गृह मंत्री
- बुधवार को राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोषी से, वसुंधरा राजे को मु.मंत्री के रूप में पेश करने के राजे के सुझाव पर चर्चा हुई थी।
- उन्हें दोबारा गुरुवार को बुलाया गया, गृह मंत्री अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्हा से इस बारे में आगे बात करने के लिये।
- वसुंधरा राजे के साथ, प्रदेश में भाजपा संगठन की नयी टीम व अन्य तब्दीलियों के बारे में विचार विमर्श होगा तथा नयी टीम जुलाई के प्रथम सप्ताह में घोषित होने की संभावना है।

भारत में हवाई यात्रा की बढ़ोतरी का स्कोप विश्व में अधिकतम है

हवाई जहाज निर्माता इस स्कोप से अल्लादित हैं तथा नये हवाई जहाजों के ऑर्डरों को ललचायी आंखों से देख रहे हैं

- सुकुमार साह-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 8 जून। वैश्विक विमान निर्माता भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के आगामी परिदृश्य को लेकर बड़ी भारी रुचि एवं खुशी प्रदर्शित कर रहे हैं। सैकड़ों एयरक्राफ्ट ऑर्डर, जो अभी प्रतीक्षा में हैं, हवाई यात्रा की भारत की विशाल एवं अनियंत्रित मांग पर आधारित ग्लोबल प्लान्स का समर्थन कर रहे हैं। शीघ्र ही, भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जायेगा, लेकिन एयर लाइन क्षमता के मामले में यह अभी अपेक्षाकृत अपात्र ही है। "सेक्टर फॉर एशिया पैसिफिक एविएशन-इंडिया" (सी.ए.पी.ए.) के एक विश्लेषण के अनुसार, हवाई यात्रा की बढ़ती हुई मांग से प्रभावित होकर, भारत की एयर लाइन्स
- बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वाभाविक ही है, हवाई यात्रा करने के इच्छुक लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि ही रही है।
- इस वृद्धि का एक कारण यह भी है कि, देश में ट्रेन सेवा का जाल बहुत पुराना है तथा ट्रेन्स बहुत धीमी गति से चलती हैं और 18-36 घंटे की रेल यात्रा कोई साधारण बात नहीं।
- हवाई यात्रा के विशेषज्ञों का मानना है, हवाई यात्राओं की डिमाण्ड बहुत तेजी से बढ़ रही है, पर अगर हवाई यात्रा के लिये आवश्यक, आधार भूत ढांचे में, जैसे हवाई अड्डे, हवाई सेवा से सम्बद्ध स्टाफ में भी इतनी ही गति से वृद्धि नहीं हुई, तो "एविएशन सैक्टर" में भारी वृद्धि की संभावनाएं शायद केवल संभावनाएं ही रह जायेंगी।

शुक्रवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस आशुतोष कुमार की अवकाशकालीन एकलपीठ आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। ज्ञातव्य है कि, सुभाष सहित अन्य के खिलाफ इस ठगी को लेकर सीकर और जयपुर सहित अन्य जिलों में करीब सौ से अधिक एफ.आई.आर. दर्ज हो चुके हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नियुक्ति रद्द करने पर हाई कोर्ट पहुंची पेपर लीक आरोपी की गर्लफ्रेंड

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी भूपेंद्र की गर्लफ्रेंड प्रियंका विश्वांस ने फिजिकल ट्रेनिंग इन्स्ट्रक्टर (पी.टी.आई.) पद पर नियुक्ति रद्द करने पर हाई कोर्ट पहुंची पेपर लीक आरोपी की गर्लफ्रेंड

ने सामूहिक रूप से विमानों की वर्तमान संख्या से कहीं ज्यादा विमानों के ऑर्डर दे दिये हैं। सी.ए.पी.ए. इंडिया एविएशन कन्सल्टिंग, रिसर्च, एनेलेटिक्स तथा ट्रांजेक्शन एक अग्रणी परामर्शदाता निकाय है। वस्तुस्थिति यह है कि भारत में घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय- दोनों ही क्षेत्रों में हवाई यात्रा की ग्रोथ की विशाल संभावनाएं हैं। शीघ्र ही सर्वाधिक आबादी वाला देश बनना, जनसंख्या के आकार के लिहाज से अपेक्षाकृत कम विमान सेवाएं होना तथा तेज गति वाली ट्रेनों के आभाव-ये तीनों ही कारक मिलकर स्थानीय एयर लाइन्स के लिये एक बहुत अच्छा वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं। जहां तक अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र का प्रश्न है,

भारतीय एयरलाइन्स का लक्ष्य उन विदेशी एयर लाइन्स के मार्केट के बड़े हिस्से पर कब्जा करना है, जो इस समय मिल कर भारतीय इन्टरनेशनल टैरिफिक के 57 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा किये बैठी हैं। इस समय, भारत विमान सेवा तथा विमान संख्या-दोनों की ही ग्रोथ ग्राफ में चीन से काफी नीचे है। लेकिन इस स्थिति में, भारत में इसके विस्तार को ज्यादा गुंजाइश की भी संभावना है। विमान खरीद के ऑर्डर का तेजी से बढ़ रहा बैकलॉग यह दर्शाता है कि भारत का विमान बेड़ा, जो इस समय छोटा है, में कम से कम चीन के बराबर ग्रोथ तो सुनिश्चित है। एक्टिव एयरक्राफ्ट के भारत के आर्डर्स का अनुपात

अपनी नियुक्ति रद्द किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर हाईकोर्ट आगामी दिनों में सुनवाई करेगा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन की सीमा पर गांवों का तीन माह में विकास होगा

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में ओल्ड पेंशन स्कीम (ओ.पी.एस.) को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है और उक्त स्कीम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। -हरिऔध

क्या राजद्रोह कानून औपनिवेशिता की मानसिकता का परिचायक है?

भारतीय दण्ड संहिता सन 1860 में अंग्रेजों के राज में बनाया गया था। धारा 124ए के द्वारा देशद्रोह (राजद्रोह) को अपराध माना गया और उसमें सजा की व्यवस्था की गई। धारा 124ए के तहत बोले या लिखित शब्दों या संकेतों द्वारा या दृश्य प्रस्तुति द्वारा जो कोई भारत में विधि द्वारा स्थापित सरकार के प्रति घृणा या अपमान पैदा करेगा अथवा पैदा करने का प्रयास करेगा, असन्तोष उत्पन्न करेगा या करने का प्रयत्न करेगा उसे परिस्थितियों के अनुसार आजीवन कारावास या कम से कम तीन वर्ष तक की सजा दी जावेगी। धारा 124ए की वैधानिकता को संविधान के अनुच्छेद 14 व 21 के विरुद्ध होने के आधार पर चुनौती दी गई है। कई केस माननीय सुप्रीम कोर्ट में चल रहे हैं। केसों में सुनवाई की तारीख अगस्त 2023 में है। गत वर्ष मई माह में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के कानून पर रोक लगाई थी। मामले में हित रखने वाले लोगों ने भी आपत्तियां उठाई हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह सभी हित धारकों के साथ परामर्श करेगी। विधि आयोग ने 3 वर्ष के स्थान पर 7 वर्ष की सजा की सिफारिश की है। विधि आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। आयोग ने धारा 124ए को कुछ संशोधन के साथ कायम (Retain) रखने की सिफारिश की है। सरकार का मानना है कि विधि आयोग की सिफारिश बाध्यकारी नहीं है। इस कानून के दुरुपयोग का आरोप सरकार पर लगाया गया, किन्तु सरकार का कथन है कि दुरुपयोग के आधार पर कानून को वापिस नहीं लिया जा सकता। कानून को औपनिवेशिक वाद का होने से रद्द करने के सवाल पर केन्द्र सरकार के कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को भेजे गये पत्र में विधि आयोग के अध्यक्ष ने लिखा है कि यदि धारा 124ए आईपीसी को रद्द किया गया तो केन्द्र सरकार के विरुद्ध हिंसा भडकाने वाली गतिविधियां करनी होंगी, तथा सरकार को यूएपीए व रासुका के तहत केस किये जा सकते हैं जबकि धारा 124ए उन कानूनों से ज्यादा व्यापक है।

यहाँ पर लिखना भी उचित होगा कि शशि थरूर, राजीव सरदेसाई, मृणाल पांडे, जफर आगा करवां पत्रिका के परेशनाथ व विनोद दुआ के विरुद्ध राजद्रोह के इस कानून का दुरुपयोग किया गया है।

गत वर्ष मई माह में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के कानून पर रोक लगाई थी। मामले में हित रखने वाले लोगों ने भी आपत्तियां उठाई हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह सभी हित धारकों के साथ परामर्श करेगी।

विधि आयोग ने 3 वर्ष के स्थान पर 7 वर्ष की सजा की सिफारिश की है। विधि आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। आयोग ने धारा 124ए को कुछ संशोधन के साथ कायम (Retain) रखने की सिफारिश की है।

जावे। वह सरकार पर बाध्यकारी नहीं है। हाँ सरकार डपेनमेंट को रोकने के हेतु छवतदे बना सकती है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने गत वर्ष के आदेश में देशद्रोह के अपराध के कानून को जो 1860 में बनाया था उसको कार्यवाही को रोक दिया था और माननीय न्यायालय ने यह निर्देश दिये कि धारा 124ए के अपराध के बावत कोई एफआरआर दर्ज नहीं होगी साथ ही प्रोसिडिंग्स रोक दी जावेगी। केन्द्र ने वायदा किया कि वे उचित संशोधन लायेंगे। एफआरआर दर्ज न करने के उचित कारण लिखे जावेंगे। एक पेनल प्रारंभिक जांच करेगा।

1870 में बने इस कानून का स्तेमाल ब्रिटिश सरकार ने महात्मा गांधी के विरुद्ध वीकली जनरल में 'यंग इण्डिया' नाम से आर्टिकल लिखे थे। चूँकि लेख ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध लिखे थे, अतः मुकदमा चला था।

धारा 124ए में यह प्रक्रिया बताई है कि आरोपी को बिना उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किये गिरफ्तार किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 11 मई 2022 के आदेश से यह निर्देशन दिया कि जब तक राजद्रोह कानून पर पुनर्विचार नहीं होगा राज्य व केन्द्र सरकार राजद्रोह के अपराध के कानून के तहत नया कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं करेगी। प्रत्यक्षतः केस में सफलता की आशा होने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है, जिसका उल्लेख ऊपर भी किया गया है।

Redaction शब्द को देशद्रोह व राजद्रोह शब्दों द्वारा पुकारा गया है। दोनों शब्द एक दूसरे के समानार्थी हैं। फिर भी इन्हें अलग अर्थ में भी समझा जा सकता है। राजद्रोह का आशय विधि द्वारा स्थापित सरकार तथा प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध असन्तोष की भावना फैलाना है। इसके विरुद्ध देशद्रोह राष्ट्र के प्रति असम्मान, राष्ट्र की एकता व अखण्डता के विरुद्ध होने से इसे देशद्रोह कहा गया है। कार्य तथा राष्ट्रीय संस्कृति और विरासत को पूर्णरूप से नकारा गया है। लॉ पेनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशद्रोह की धारा 124ए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध नहीं है। धारा 124ए को सख्त बनाया होगा, इसके संबंध में सभी हित रखने वालों के साथ विचार विमर्श करना होगा। विधि मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि विधि आयोग की रिपोर्ट है कि देशद्रोह के अपराध को संशोधन की आवश्यकता है और सजा के प्रावधान को और सख्त करना होगा इस स्टेटमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये विधि मंत्री ने कहा कि विधि आयोग की सिफारिश सरकार पर बाध्यकारी नहीं है, हाँ यह सही है कि विचार विमर्श के लिये इस रिपोर्ट पर भी वार्ता होनी चाहिए। वार्ता के लिये यह अच्छा कदम है। वार्ता द्वारा ही जनहित में सही निर्णय हो सकता है। मकपजपवद के कानून की आवश्यकता है, क्योंकि देश की सुरक्षा और एकता बनाये रखने के लिये यह आवश्यक है। कमीशन की रिपोर्ट में सुझाव है कि एफआरआर राज्य अथवा केन्द्र सरकार की अनुमति (Sanction) प्राप्त करने पर पंजीकृत की जाना चाहिये। अनुमति देने के हेतु प्रारम्भिक जांच होनी चाहिये, जिसे इन्स्पेक्टर के पद से कम पर नियुक्त अधिकारी द्वारा की जावे। जैसा ऊपर लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट ने धारा 124ए की वैधता पर विचार करते हुये एफआरआर पंजीकृत होने के लिये रोक लगाई है। गतवर्ष सुप्रीम कोर्ट की पीठ जिसकी अध्यक्षता पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन वी रामना कर रहे थे, कहा कि "The rigours of sedition 124A of IPC is out in tune with the current social milieu, and was intended for a time when the country was under the colonial regime."

सुप्रीम कोर्ट अगस्त के दूसरे सप्ताह में मकपजपवद की धारा 124ए आईपीसी की वैधता पर विचार करेगी। इस बाबत कई पक्षों की विचार धारा पर बहस सुनी जावेगी। लेखक का अपना व्यक्तिगत विचार है कि धारा 124ए असंवैधानिक है और इस प्रश्न पर बहस होनी चाहिये। एक नई धारा उसके स्थान पर जोड़ना चाहिए जो अनुच्छेद 14 अनुच्छेद 19(1)(ए) के अनुरूप हो, देश की एकता तथा अखण्डता को सुरक्षित रख सके तथा निहित में हो।

इस तथ्य को ध्यान में रखना होगा कि हमारा देश लोकतंत्र है जहाँ जनता का राज है और जनता के लिये है जहाँ औपनिवेशिता की दासता से मुक्ति हो।

सबको समति दे भगवान् !

अतिथि सम्पादक पानाचन्द जैन पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राशिफल

शुक्रवार 9 जून, 2023

आषाढ मास कृष्ण पक्ष, षष्ठी तिथि शुक्रवार, विक्रम संम्वत् 2080, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 5.04 तक वैधुति योग दिन 3.46 तक, गरकरण प्रातः 5.40 तक, चन्द्रमा प्रातः 6.02 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में संचार करेगा।

श्रेष्ठ करेगा। धन - चर सूर्योदय से 7.09 तक लाभ-अमृत 7.09 से 12.44 तक, शुभ 12.26 से 12.41 तक, सूर्योदय 5.36 सूर्यास्त 7.15 पर।

मेष आर्थात्क - विचितां य मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी संभावित सौ से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मौज मस्ती का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में मित्रों-रिश्तेदारों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

मिथुन नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। कार्य व्यवस्थित होने लगेगे। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कर्क चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेंगी। स्वास्थ्य संबंधित कारणों से भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मकर व्यावसायिक कार्यों में संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह परिवार में शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ घर-परिवार में कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक विवादों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादाित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

मीन आर्थात्क - विचितां य मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

बीकानेर सहित पांच जिलों में पारा 40 के पार

बीकानेर, (निर्स)। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के साथ ही पश्चिमी राजस्थान में तापमान फिर से बढ़ने लगा है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान के पांच जिलों में चालीस डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान रहा। वहीं अन्य जिलों में भी इससे दो-तीन डिग्री सेल्सियस ही कम रहा। यानी गर्मी अब लगातार बढ़ते हुए फ्राफ की तरफ है। इस बीच मौसम विभाग ने गुजरात को बीकानेर जिले में आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

न्यूनतम 28.8 डिग्री सेल्सियस रहा। बीकानेर के अलावा नाडमेर, जैसलमेर, फलीदी और चूरू में भी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। चूरू में सर्वाधिक 42.5 तक पहुंच गया। वहीं पश्चिमी राजस्थान के अन्य जिलों में भी पारा लगातार बढ़ रहा है। वहीं रात में भी तापमान अब तीस डिग्री सेल्सियस के पास पहुंचने की कोशिश में है। बारिश के चलते पिछले दिनों ये बीस तक ही अटक गया था। मौसम विभाग ने कहा है कि बीकानेर और नागौर जिलों में मेघगर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमक सकती है। बारिश हो सकती है। इस दौरान हवा की स्पीड तीस से चालीस किलोमीटर प्रतिघंटा की होगी। ऐसे में सामान्य व हल्के सामान को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए।

ग्राम पंचायत छाजा की नांगल में पेयजल संकट

पाटन, (निर्स)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत छाजा की नांगल में जल जीवन मिशन के तहत पानी का बोर लगाया गया था परंतु उस बोर का कनेक्शन नहीं होने से वह बोर साल भर से बेकार पड़ा हुआ है तथा लोग पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। इस बारे में ग्राम के लोगों ने बताया कि 2 सितंबर 2022 को जल जीवन मिशन योजना के तहत ओडीएक्स मशीन से बोर करवाया था जिसकी एस्टीमेट वैल्यू 15 लाख 63 हजार आई थी। जलदाय विभाग द्वारा विद्युत कनेक्शन हेतु 16 नवम्बर 2022 में डिमांड नोटिस भी जमा करा दिया गया उसके बावजूद भी विद्युत विभाग उक्त बोर का कनेक्शन नहीं कर सकी, जिसके चलते ग्राम पंचायत में पेयजल संकट बढ़ रहा है। ग्रामीणों की बार-बार शिकायत के बाद विद्युत विभाग दो दिन पहले हरकत में आया और पुलिस की मौजूदगी में कनेक्शन करने पहुंचा परंतु विद्युत विभाग कनेक्शन नहीं कर पाया। मात्र कनेक्शन के अभाव में गांव में पेयजल संकट बना हुआ है और लोगों को मजबूरन महंगे दामों में टैंकरों का पानी मंगवा कर अपनी पेयजल आपूर्ति करनी पड़ रही है। स्थानीय प्रशासन कुंभकर्णी नौद सो रहा है और जनता पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रही है। लगभग एक साल बीतने को है उसके बावजूद भी विद्युत विभाग कनेक्शन नहीं कर सकी जिसको लेकर लोगों में स्थानीय विधायक के खिलाफ सवालिया निशान पैदा कर रहा है।



एक साल से विद्युत कनेक्शन के अभाव में खराब पड़ा बोर।

मंगल कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

भुसावर, (निर्स)। उपखंड भुसावर के गांव घाटरी में मंगल कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का आयोजन किया गया। जहां श्रद्धालुओं के साथ मंगल कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए नये परिधान पहन भाग लिया। कलश यात्रा बैण्ड बाजों के साथ कथा स्थल से शुरू होकर गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः मन्दिर पहुंची जहां जगह जगह भक्तों द्वारा

निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने मंगल कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए नये परिधान पहन भाग लिया। कलश यात्रा बैण्ड बाजों के साथ कथा स्थल से शुरू होकर गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः मन्दिर पहुंची जहां जगह जगह भक्तों द्वारा

कलश यात्रा का पुष्पवर्षा के साथ जलपान करवाकर स्वागत किया गया। वहीं नगर भ्रमण पर निकले डाकू जै की आरती उतारकर मानव कल्याण एवं विश्व शांति के साथ परिवार में सुख समृद्धि को लेकर कामनाएं कीं। गांव घाटरी में आयोजित की जा रही

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन कथाव्यवस्था पुष्पा प्राची देवी द्वारा भक्तों को जीवन में कथा महत्व बताया और कहा कि मानव जीवन में सुकर्म करते हुए जरूरतमंदों की सेवा हमें करनी चाहिए। इस अवसर पर सभी का विशेष सहयोग रहा।

क्या केंद्र शासित प्रदेशों में लोकतंत्र पर अंकुश वाजिब है?

दीक्षित के 15 वर्षों के दौरान दिल्ली में निर्माण कार्य भी खूब हुए थे। इसमें दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। एक तो शीला दीक्षित के समय दिल्ली में ज्यादातर कांग्रेस की सरकार थी और बीजेपी में अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़ी सोच के नेता थे। दूसरे, शीला दीक्षित देश की प्रधानमंत्री बनने का सपना नहीं देखा करती थी जबकि अरविंद केजरीवाल का यह स्पष्ट लक्ष्य नजर आ रहा है। वैसे चाहे स्वीकार करें या नहीं करें परंतु राज्य का मुख्यमंत्री या देश का प्रधानमंत्री बनने का सपना हर राजनीति से जुड़े व्यक्ति का होता है और होना भी चाहिए। इसमें आपत्ति की कोई बात ही नहीं है।

दिल्ली की स्थानीय सत्ता का मायाजाल बहुत पुराना है। 12 दिसंबर 1911 को राज्याधिकार दरबार में दिल्ली को ब्रिटिश इंडिया की राजधानी घोषित किया गया था। राष्ट्राध्यक्ष के प्रतिनिधि मुख्य कमिश्नर द्वारा प्रशासित दिल्ली को उप राज्यपाल के साथ एक विधानसभा और मंत्रिमंडल भी मिला परंतु कानून बनाने के अधिकार, पुलिस और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन तथा अन्य स्थानीय संस्थाएं मुख्य कमिश्नर के अधीन ही रहे। राजनीति के बाद 1953 में राज्य के पुनर्गठन के दौरान दिल्ली केंद्र शासित क्षेत्र बन कर सीधे राष्ट्रपति के अधीन आ गया जिसमें स्थानीय प्रतिनिधित्व के लिए दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एमसीडी) बनाया गया। लेकिन ऐसे में दिल्ली के नेता लोग कोरे के कोरे रह गए तो उनको संतुष्ट करने के लिए आगे चलकर मेट्रोपोलिटन कार्सिल का गठन किया गया। इसमें मुख्य कार्यकारी पार्षद के नेतृत्व में चुने हुए और नामित पार्षद भी रहे गए परंतु इस कार्सिल को कोई वैधानिक अधिकार नहीं दिए गए। अब इस कार्सिल का एमसीडी और अन्य स्थानीय संस्थाओं से लगातार संघर्ष होने लगा। इस कलह को कम करने के लिए दिसंबर 1989 में दिल्ली विधानसभा का गठन किया गया जिसमें मंत्रिमंडल भी गठित किया जा सकता था। एमसीडी के अधिकार से बिजली, पानी और सीवर के निकाल कर उनके बोर्ड गठित किए गए। अग्नि शमन, स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रमुख सड़कों को दिल्ली सरकार के अधीन किया गया, राजमार्गों और लुटियंस दिल्ली की सड़कें केंद्र के अधिकार में रही और कॉलोनीयों की सड़कों पर एमसीडी का अधिकार हुआ। अभी हाल ही 2021 में एमसीडी का फिर विभाजन हुआ।

इन सब लगातार होते बदलावों के बावजूद दिल्ली पर मुख्य नियंत्रण राष्ट्रपति के नेतृत्व में केंद्र सरकार का ही रहा क्योंकि पुलिस, उच्च प्रशासनिक

अधिकारी और नियम कानून निर्माण आदि सभी संसद और गृह मंत्रालय के अधीन ही रहे। इस तरह से समझा जा सकता है कि दिल्ली के लोगों के जीवन को कई दिशाओं में खींचा जा रहा है और वहां कोई भी प्रशासनिक कुशलता विकसित नहीं की जा सकती। जिस शहर में एक मुख्य सड़क और उससे निकलने वाली धमनी सड़कों के तीन तरह के रखरखाव वाले हों और भारत जैसे जिम्मेदारी निभातेवाले कर्मचारी हों तो जनता का जीवन कैसा हो सकता है यह आसानी से समझा जा सकता है। इन कई तरह के प्रशासनों का अपना अपना भ्रष्टाचार होता है और अपनी अपनी अकड़ परंतु इसी के साथ यह भी कि जिम्मेदारी एक दूसरे पर टालना बहुत आसान हो जाता है। चूँकि देश में प्रजातंत्र है तो सब को जन धन रूपी मलाई खानी है खासकर वे नेता और सरकारी तंत्र जो जनहित का नाम लेते हुए कुर्सी का रसास्वादन करते रहते हैं।

यहां यह बात ध्यान में रखनेवाली है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने अपने चुनावी घोषणापत्र में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का झांसा दिया था। झांसा इसलिए क्योंकि सारे के सारे सांसद विजयी होने के बावजूद बीजेपी ने अपना वादा नहीं निभाया और अभी हाल ही में आम आदमी पार्टी सरकार

के उच्चतम न्यायालय में जीत के बावजूद एक रात्रिकालीन अत्यादेश द्वारा दिल्ली पर केंद्र सरकार ने अपना शिकंजा कस लिया। जब मुख्यमंत्री हैं, मंत्री और विधायक हैं तो फिर दिल्ली का आम आदमी अपने किसी प्रशासनिक कार्य के लिया क्या केंद्रीय गृहमंत्रालय या प्रधानमंत्री के पास जायेगा? आपने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया, जनता ने आप को विजयी बनाया और आप अपने ही वादे से मुकर गए!

दिल्ली के प्रशासन को सुचारू चलाना कोई अति जटिल कार्य नहीं है परंतु नेताओं का अहंकार, स्वार्थ और धन कमाने की उनकी लालसा ने पूरे एनसीटी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) को भ्रष्टाचार का अड्डा बना डाला है। नेताओं, उप राज्यपाल और अधिकारियों में निम्नस्तरीय बातें होती रहती हैं और इस स्वार्थ से परिपूर्ण माहौल में सामान्य नागरिक लगातार हाशिए पर होता जाता है। राजधानी क्षेत्र के लोग भी इसी प्रजातंत्र का हिस्सा है इसलिए उनको भी अपना प्रभावशाली विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री पाने का अधिकार है। करोड़ों लोगों के अधिकारों पर दूरी से नियंत्रण उचित नहीं है इसलिए इस मुद्दे पर व्यापक राजनीतिक संवाद होना चाहिए।

-डॉ. रामावतार शर्मा

सरसंघचालक मोहन भागवत उदयपुर पहुंचे

उदयपुर, (कास)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत अपने दो दिवसीय प्रवास पर गुजरात को उदयपुर पहुंचे। जहां उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर संघ के पदाधिकारियों ने उनकी अगवानी की। इस दौरान स्टेशन पर सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए गए गुजरात को सबसे सात बजे जेजे ही मेवाड़ एक्सप्रेस उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो कोच से उतरते ही भागवत के स्वागत हेतु संघ के पदाधिकारियों में होड़ लग गई। इस दौरान उनके निजी सुरक्षा के साथ ही स्थानीय पुलिस ने उनको सुरक्षा देते हुए उर्दें आगे बढ़ाया। प्लेट फार्म दो पर उतरे भागवत लिफ्ट से उभर चढ़े और एक्सेलेटर से प्लेट फार्म में एक पर उतरी स्टेशन पर कुछ लोगों ने उनके साथ सेल्फी लेने का भी प्रयास किया। भागवत वहां से विधानिकेतन के लिए रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि संघ के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के द्वितीय विभाग में शामिल में होने आए भागवत दो दिन उदयपुर में ही रुकेगे। विभाग संघ चालक हेमन्त श्रीमाली ने बताया कि वे ग्रीष्मवर्षा में कार्यक्रमों के शारीरिक व बौद्धिक प्रशिक्षण के लिए तीन सप्ताह के संघ शिक्षा वर्गों का आयोजन होता है। इसमें प्रथम वर्ष के उपरान्त एक वर्ष से अधिक शाखाओं की देख रखा करने वाले चालीस वर्ष से अधिक उम्र के कार्यकर्ताओं का द्वितीय वर्ष विशेष क्षेत्र अनुसार होता है।

प्रशासन ने अतिक्रमण हटवाये

भुसावर, (निर्स)। उपखंड भुसावर के गांव सलेमपुर कला में पीडब्ल्यूडी के मुख्य सड़क मार्ग पर लोगों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को प्रशासन ने पीला पंजा चलाकर हटवाया। ग्राम विकास अधिकारी संजय मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि उपखंड भुसावर के हिंडीना सड़क मार्ग पर बसे गांव सलेमपुर कला की आबादी में होकर निकल रहे सार्वजनिक निर्माण विभाग की मुख्य सड़क मार्ग लोगों द्वारा कच्चे-पक्के मकान बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा था। जिसे हटाने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा आवेदन किया गया जिसके बाद पंचायत ने उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया और अतिक्रमण हटाने की बात कही। जिस पर कार्य करते हुए अतिक्रमण हटवाने तहसीलदार सुरेंद्र कुमारा, पीडब्ल्यूडी विभाग अधिकारी रामबाबू जाटव एवं थानाधिकारी मदन लाल मीणा मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को पीला पंजा चलाकर हटवाया गया।

जिला मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर डीडवाना बंद रहा

जिला संघर्ष समिति ने किया था बंद का ऐलान, व्यापार मंडलों ने भी दिया डीडवाना बंद को समर्थन

डीडवाना, (निस)। राज्य सरकार द्वारा घोषित डीडवाना-कुचामन जिले का जिला मुख्यालय कहा होगा, इस पर संशय की स्थिति बनी हुई है। जिला मुख्यालय की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से डीडवाना में संघर्ष समिति आंदोलन कर रही है। इसी आंदोलन के तहत गुरुवार को डीडवाना शहर में बाजार बंद करने का आह्वान किया गया, जिसको समस्त व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों ने भी समर्थन दिया। जिससे डीडवाना बंद पूर्णतया सफल रहा।

बंद का इतना व्यापक असर रहा कि डीडवाना शहर के समस्त बाजार पूरी तरह से बंद रहे और थड़ी व ठेले भी पूरी तरह से बंद नजर आए। इस मौके पर डीडवाना जिला मुख्यालय की मांग पर बलदेव राम मिर्धा स्ट्रेडियम से रैली निकाली गई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई कोर्ट परिसर पहुंची, जहां नवाघोषित जिले के ओएसडी को मुख्यमंत्री के ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में संघर्ष समिति ने बताया कि डीडवाना जिले के सभी मापदंड और नियमों को पूरा करता है।



जिला मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर डीडवाना में रैली निकाली।

डीडवाना तत्कालीन मारवाड़ राज्य का परगना रहा है। आजादी से पूर्व भी डीडवाना में जिला कलेक्टर के समक्ष सुपरिटेण्डेंट का पद था। इसके अलावा 1996 से ही डीडवाना अतिरिक्त जिला मुख्यालय रहा है। डीडवाना में जिला स्तरीय सभी कार्यालय मौजूद हैं और अब केवल जिला कलेक्टर व एसपी के पदों की ही जरूरत है। उन्होंने

बताया कि डीडवाना को जिला बनाने की मांग 4 दशक पुरानी है। तत्कालीन परमेश्वरचंद, सिंधु कमेटी के अलावा राजस्व मंडल व तत्कालीन नागौर जिला कलेक्टर भी डीडवाना को जिला बनाने की अनुरंशा कर चुके हैं।

ज्ञापन में संघर्ष समिति ने बताया कि डीडवाना का प्रशासनिक ढांचा बेहद मजबूत है और सड़क व रेल

मार्गों से भी डीडवाना के लिए आवागमन की सुविधा उपलब्ध है। डीडवाना की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, संसाधन व उपलब्ध कार्यालय जिला बनाने के उपयुक्त है। लेकिन मुख्यमंत्री ने डीडवाना-कुचामन के नाम से नए जिले की घोषणा की है, लेकिन जिला मुख्यालय कहा होगा, इस पर अभी

- डीडवाना के सभी बाजार रहे बंद, ठेले, थड़ियां भी बंद रहे, जिला मुख्यालय के समर्थन में निकाली रैली
- नव घोषित डीडवाना-कुचामन जिले का जिला मुख्यालय डीडवाना रखने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

असमंजस बरकरार है। इसलिए डीडवाना में उपलब्ध कार्यालयों, संसाधनों, सुविधाओं और लोगों की मांग व धावनाओं को ध्यान में रखते हुए डीडवाना को ही जिला मुख्यालय बनाया जाना चाहिए।

पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या की, आंगन में शव को गाड़ा

मामला रफा-दफा करने को पंचायत में 20 लाख का ऑफर दिया

कामां, (निस)। दंपती के बीच आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बारे में किसी को पता नहीं चले, इसके लिए उसके शव को नहलाया और कपड़े जमीन में दफना कर लाश को छिपा दिया। मामला भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके के इखनाका गांव में बुधवार रात 9 बजे का है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शहनाज और वाहिद के बीच लंबे समय से झगड़ा चल रहा था। इसी परिवारिक विवाद में उसकी जान चली गई। थाना अधिकारी शिवलहरी ने बताया कि वाहिद (35) किराए पर बोलेरो चलाता है। बुधवार रात को वह गाड़ी लेकर 8 बजे अपने घर पहुंचा था। घर पहुंचा तब तक उसके तीनों बच्चे सो चुके थे। इसी बीच पत्नी शहनाज (30) के साथ उसका झगड़ा

थाना अधिकारी ने बताया कि पुलिस को गुरुवार सुबह इसकी जानकारी मिली। मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ लगी थी। ग्रामीणों से पूछताछ की तो पता चला कि पड़ोसियों ने गोली की आवाज सुनी तो पता चला कि वाहिद ने शहनाज की हत्या कर दी है। शहनाज के घरवालों को सूचना दी गई और पंचायत बुलाई गई।

पंचायत में इस मामले को रफा-दफा करने के लिए वाहिद ने शहनाज के घरवालों को 20 लाख रुपए तक देने का ऑफर किया, लेकिन वे नहीं माने। रातभर पंचायत में बात नहीं बनी तो सुबह पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो वाहिद फरार हो चुका था। इसके बाद घर के आंगन को खोदा गया तो उसमें से खून से सने कपड़े मिले। शहनाज के परिजनों की रिपोर्ट पर पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बालिका का अपहरण करने वाले चार गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में बालिका का अपहरण करने वाले चार जनों को गिरफ्तार किया है। जैसलमेर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा गुरुवार को कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बालिका को शादी की नियत से अपहरण करने वाले मुख्य मुल्जिम सहित चार मुल्जिमान गिरफ्तार किये गये अन्य को तलाश जारी है।

लड़की के अपहरण के बाद वायरल हुए विडियो में लड़की के पिता द्वारा पुलिस को बताया कि बालिका की सर्नलिपता बताये जाने के बारे में पुलिस अधीक्षक द्वारा शीघ्र कार्यवाही करने का खुलासा किया गया। जमानकारी के अनुसार एक जून को परिवारों द्वारा पुलिस थाना मोहनगढ़ में रिपोर्ट दी कि सुबह 9 बजे मेरी बहन व मेरी पति घर से सौ मीटर दूरी पर स्थित टांके से पानी भरने के लिए गये तब विक्रमसिंह पुत्र भगवानसिंह, अभयसिंह पुत्र चुतरसिंह, पुष्पेन्द्रसिंह पुत्र सांवलसिंह राजपूत निवासी पुनमगर व अन्य एक राय होकर एक सफेद कलर की बिना नम्बर वाली फोर्च्यूनर गाड़ी में मेरी बहन का अपहरण कर ले गये है। उक्त लोग मेरी बहन की शादी जबरदस्ती पुष्पेन्द्रसिंह के साथ करना चाहते हैं। रिपोर्ट पर



जैसलमेर पुलिस ने बालिका का अपहरण करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण दर्ज कर अपहर्णकर्ता व मुल्जिमान को तलाश शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा वृत्ताधिकारी वृत्त नाचना कैलाश विश्नेई को मुल्जिमानों को अविलम्ब दस्तयाव करने के निर्देश दिए गए। निर्देशों को पालना में पुखाराम थानाधिकारी

मोहनगढ़ के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर तलाश कर बालिका को दस्तयाव कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। अपहरण करने वाले मुख्य मुल्जिम पुष्पेन्द्रसिंह को गिरफ्तार कर बाद अनुसंधान न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया।

तीन बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया

अजमेर, (कासं)। अजमेर के मानव तस्करी विरोधी यूनिट की टीम द्वारा शहर अजमेर में दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों अलवरगेट चौराया अजमेर से एक रोटी बोटी ढाबा से एक बालश्रमिक में खजा गरीब नवाज आंटो रिपेयर से दो बालश्रमिक को मुक्त करवाया गया।

अलवरगेट चौराहा के पास स्थित रोटी बोटी ढाबा से एक 16 वर्षीय व उसके पास ही स्थित खजा गरीब नवाज आंटो रिपेयर से एक 15 वर्षीय व एक 16 वर्षीय बालक को बालश्रम करवाते हुए मुक्त करवाकर उनका रेस्क्यू कर उनके उचित पुनर्वास हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया व इन बालकों से बालश्रम करवाने वाले रोटी बोटी ढाबा के संचालक रिजवान व गरीब नवाज आंटो रिपेयर के संचालक फिरोज काठाट के खिलाफ पुलिस थाना अलवरगेट में मुकदमा दर्ज करवाया गया।

शराब मामले में निलंबित ए.एस.पी. दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्य पीठ ने दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी पर रोक के आदेश जारी किए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्य पीठ ने दिव्या मित्तल की गिरफ्तारी पर रोक के आदेश जारी किए। हाईकोर्ट जस्टिस नूपुर भाटी की अवकाशकालीन एकल पीठ में याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक के आदेश दिए।

जानकारी के अनुसार दो करोड़ रिश्वत मामले में निलंबित एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल के उदयपुर के पास चिकलवास स्थित नेचर हिल्स एंड

रिसोर्ट में 67 शराब बोटल मिली थी। इस पर आबकारी एक्ट में अंबामाता थाने में मामला दर्ज हुआ। इस एफआईआर को रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए जमानत के पक्ष रखा। फिलिक प्रोसिक्यूटर श्रवण विश्नेई ने बहस के दौरान कई तर्क दिए, जबकि एडवोकेट मोहनोत ने बचाव में तर्क दिए। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद जस्टिस नूपुर भाटी ने कहा कि सिर्फ एफआईआर से आरोप

तय नहीं किया जा सकता और गिरफ्तारी पर रोक के आदेश जारी किए। नशीली दवाओं से जुड़े मामले में एक दवा फर्म संचालक से 2 करोड़ रुपए की घूस मांगने के केस में निलंबित चल रही एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को एसबीबी ने गिरफ्तार किया था। जमानत पर बाहर आते ही एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया। यहाँ से भी जमानत मिलने के बाद आबकारी मामले में गिरफ्तारी हो सकती थी। ऐसे में दिव्या के वकील ने गिरफ्तारी पर रोक के लिए याचिका दायर की थी।

हत्याकांड का पर्दाफाश

करौली, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुला के निर्देशन में जितेंद्र टटवाई हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में पर्दाफाश करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मासलपुर थाना अधिकारी पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुला के निर्देशन में गठित विशेष पुलिस टीम ने मासलपुर के टटवाई गांव में हुए हत्याकांड का 24 घंटे में पर्दाफाश कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपी देशराज पुत्र अमान जाटव निवासी छावर थाना मासलपुर को गिरफ्तार कर लिया है। मासलपुर थाना अधिकारी पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि गत दिन राशन के गेहूँ वितरण को लेकर आरोपी देशराज का मृतक जितेंद्र सिंह से झगड़ा हो गया था जिसमें जितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा

पाटन, (निसं)। आनंद डिस्ट्रिक्ट गुजरात के प्रभारी रहे विजय माली ने आज दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यालय नीमकाथाना में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की है। पूर्व विधायक प्रेम सिंह बाजोर ने विजय माली और उसकी टीम का माला, साफा व दुपट्टा पहना कर पार्टी में स्वागत किया।

विजय माली ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस में काम करते हुए महसूस किया कि कांग्रेस पार्टी ने आमजन के साथ छेड़छाड़ किया है। रिट में गड़बड़ी करके युवाओं का भविष्य, किसानों का कर्ज माफी का छलावा किया गया। उन्होंने आत्मग्लानी से भर कर कांग्रेस का साथ छोड़ा और प्रेम सिंह बाजोर के सेवा भाव से अभिभूत होकर भाजपा का दामन

थाम लिया। विजय माली की टीम का पाटन प्रधान सुवालाल सैनी, महेंद्र गोयल, सुमित गुर्जर और मन्नालाल सैनी ने भी स्वागत किया। विजय माली के साथ जितेंद्र सैनी, संजु कुमार सैनी, संदीप सैनी, अंकित सैनी, टिकू सैनी, सुभम सैनी, सतीश सैनी, श्याम सैनी, बजरंग सैनी, बल्लू सैनी, संजय सूरेश, सूरेश कुमार सैनी, लक्की, महेश कुमार सैनी, राजेश सैनी, विक्रम सैनी, सचिन सैनी, रामधन सैनी, मोहित सैनी, मनोज सैनी, धनश्याम सैनी, विक्रम सैनी, रोशनलाल सैनी बूजा, गिरधारी सैनी, मनोज सैनी, सुनाराम सैनी, रामजीलाल सैनी, शिभू सैनी, रोहितारा सैनी, रोशन लाल सैनी बनियाला, गिरधारी लाल सैनी बनियाला सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।



विजय माली सहित कार्यकर्ताओं का सम्मान करते पूर्व विधायक प्रेम सिंह बाजोर।

29 भेड़ों की मौत, 175 का इलाज जारी

नोखा, (निसं)। भोषण गर्मी के कारण पशु को भी जीना दूधर हो गया है। लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण पशुपालक काफी परेशान नजर आ रहे हैं। नोखा प्रखंड के चनकी पंचायत के एघरा गांव में लू लगने से 29 भेड़ की मौत हो गई। वहीं 175 भेड़ का इलाज जारी है।

जानकारी देते हुए सोतवा पंचायत समिति सदस्य अजय पाल ने बताया कि एघरा गांव में लू लगने से बंगाला को 29 भेड़ों की मौत हो गई, सभी भेड़ बीमार थे। इसकी सूचना पर स्थानीय पशुपालन विभाग को इसकी जानकारी

■ जांच के दौरान लू लगने की बात बताई जा रही है

दी गई। जिसके बाद इसकी सूचना नोखा पशुपालन विभाग को दी गई। जहां पर के पशुपालन विभाग के डॉक्टर के निर्देश पर पशुपालनकर्मी अभिनव कुमार गांव पहुंच कर भेड़ का इलाज शुरू किया। यहाँ पर जांच के दौरान लू लगने की बात बताई जा रही है।

लू लगने से राजेंद्र पाल को 29 भेड़ों की मौत हो गई। वहीं राजेन्द्र पाल ने बताया कि 175 भेड़ को इंजेक्शन दी गई। यहाँ पर लू से बचाव के लिए यह इलाज किया गया। यह सभी भेड़ राजेंद्र पाल के बताए जा रहे हैं। मौके पर पशुपालक राजेंद्र पाल, बीडीसी सोतवा पंचायत अजय पाल, अभिनव कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाल कल्याण समिति चूरू के सदस्य पर नाबालिग बच्चियों ने लगाए छेड़छाड़ के आरोप

चूरू, (कासं)। कुशती महासंघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह पर कार्रवाई को लेकर राष्ट्रीय स्तर से लेकर जिला स्तर पर कांग्रेस के नेता प्रदर्शन कर रहे और महिला पहलवानों को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन ऐसा ही मामला राजस्थान के चूरू में भी सामने आया है। जिसमें कांग्रेस सरकार कार्रवाई करने की बजाय आरोपी को बचाने में लगी हुई है।

बालिका आश्रय गृह चूरू की संचालक संस्था के सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले साल बाल अधिकारिता विभाग जयपुर के अधिकारियों द्वारा की गई एक मामले की जांच में सामने आया था कि बाल कल्याण समिति चूरू के सदस्य एडवोकेट मनोज सैनी ने एक बच्ची के साथ बंद कमरे में छेड़छाड़ करने की कोशिश की थी। इस जांच में विभागीय अधिकारियों ने जिस भी बच्ची से बातचीत की। उन सभी की सभी बच्चियों ने एडवोकेट मनोज सैनी पर डराने, धमकाने, मारपीट व पोक्सो के मामलों में आरोपियों को फायदा पहुंचाने जैसे आरोप लगाए। बावजूद इसके 13 महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी आज तक एडवोकेट मनोज सैनी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बाल अधिकारिता विभाग ने इस

मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को भी लिख जिला स्तर पर कांग्रेस के नेता चलते एक साल से ज्यादा देन बीत जाने के बाद भी एडवोकेट मनोज सैनी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दरअसल पिछले साल अप्रैल माह में चूरू में बालिका आश्रय गृह चूरू के खिलाफ बाल कल्याण समिति चूरू और बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की अध्यक्ष ने बाल अधिकारिता विभाग को लिखा था। जिसमें उन्होंने बालिका आश्रय गृह चूरू में बालिकाओं की सुरक्षा के खतरे का हवाला दिया था। जिस पर विभाग ने तुरंत बालिका आश्रय गृह चूरू की सभी चार बालिकाओं को बीकानेर बालिका आश्रय गृह में स्थानान्तरित कर दिया था। साथ ही बालिका आश्रय गृह चूरू की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें बीकानेर की सहायक निदेशक कविता स्वामी व चूरू के सहायक निदेशक नरेश बारीठिया समेत अन्य शामिल थे। इस कमेटी ने जब बीकानेर स्थानान्तरित की गई चूरू और झुंझुनूं जिले की चार बालिकाओं के अलावा एक अन्य बालिका से बालिका आश्रय गृह चूरू के बारे में जानकारी ली तो उसमें चौंकाने वाली बात सामने आई।

बालिका आश्रय गृह चूरू से



मनोज सैनी।

स्थानान्तरित करके बीकानेर भेजी गई चार की चार बालिकाओं ने टीम को अपने लिखित बयान दिए। उसमें से एक बालिका ने मनोज सैनी पर कमरा बंद कर गलत हरकत करने की कोशिश का आरोप लगाया, तो एक पोक्सो का मामला दर्ज करवाने वाली पीड़ित बालिका ने आरोप लगाया कि मनोज सैनी ने उसे जबरदस्ती आरोपियों से मिलवाने की कोशिश की। ताकि आरोपी पीड़िता पर बयान बदलने का दबाव डाल सके। इसके अलावा दो बालिकाओं ने मनोज सैनी पर डराने, धमकाने और उसके कहे अनुसार ना चलने पर चूरू से बीकानेर या फिर जयपुर भेजने की

विस्फोटक सामग्री जब्त

पावटा, (निसं)। थाना प्राणपुर पुलिस ने अवैध विस्फोटक सामग्री के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 604 जिलेटिन छड, 500 फीट डेटोनेटिंग वायर, दो टूटकर मय झूल मशीन जप्त की है। जयपुर ग्रामीण पुलिस राजीव पंचार ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली विद्याप्रकाश एवं वृत्त विराटनगर डीएसपी संजीव कुमार चौधरी के सुपरविजन में प्राणपुर थाना प्रभारी सवाई सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। वहीं थाना स्तर पर गठित टीम द्वारा अवैध विस्फोटक सामग्री की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध खनन में उपयोग में ली जाने वाली अवैध विस्फोटक सामग्री जप्त कर मामला दर्ज किया।

चौकीदार की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में सुखाड़िया नगर इलाके में चौकीदार की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सीओ सदर योगेश शर्मा ने बताया कि सुखाड़िया नगर में चौकीदारी करने वाले एक व्यक्ति की झोपड़ी में लाश पड़ी होने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां एक व्यक्ति का शव और भारी भरकम पत्थर मिला। इस पत्थर से चौकीदार की सीने पर वार कर हत्या करने की बात सामने आई है।

पुलिस ने शव की पहचान प्रतापगढ़ जिले के केलामेला गांव निवासी हकरू पुत्र फोजा निमाया के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजी



मृतक चौकीदार।

अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया। पुलिस का कहना है कि अभी तक कल्ल के कारणों व कालित का पता नहीं चल पाया है। पुलिस वारदातस्थल और आसपास के लोगों से पूछताछ कर कालित का सुराग तलाशने में जुटी है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र में 10 वीं क्लास में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी नाबालिग को डरा धमका कर दर में ले गया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामले में पुलिस से आरोपी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाधिकारी ने बताया कि 16 साल की एक नाबालिग छात्रा की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। छात्रा ने बताया कि वह गांव के एक सरकारी स्कूल में 10 वीं क्लास में पढ़ती है। स्कूल में इन दिनों गर्मियों की छुट्टियां हैं। 6 जून को शाम के समय वह किराणा का सामान लेने के लिए पैदल घर जा रही थी। उसी समय रास्ते में उसी के स्कूल में 10 वीं क्लास में ही पढ़ने वाला पड़ोसी गांव का युवक मिला। आरोपी उसे अपने साथ चलने का कहकर एक सुपानन दर में ले गया। आरोपी युवक ने उसे डराया-धमकाया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

घटना के बाद आरोपी युवक फरार हो गया। वहीं, नाबालिग छात्रा अपने घर गई। इसके बाद परिजनों को आपत्ती की सुनाई। घटना को लेकर परिजनों के साथ नाबालिग पीड़िता थाने पहुंची। पुलिस ने नाबालिग की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है। थानाधिकारी ने बताया कि नाबालिग पीड़िता के बयान लेकर उसकी मेडिकल जांच की जाएगी।

फर्जी कॉल सेंटर खोलकर विदेशियों को ठगने वाले 40 युवक-युवतियां गिरफ्तार

स्पेशल पुलिस टीम ने चित्रकूट, भांकरोटा, करणी विहार और रामनगरिया क्षेत्र में कार्रवाई की

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । विदेश में बैठे लोगों को जयपुर में बैठे 40 युवक-युवतियां फर्जी कॉल सेंटर्स के जरिये ठग रहे थे। पुलिस की स्पेशल टीम ने जयपुर में चित्रकूट, भांकरोटा, करणी विहार और रामनगरिया क्षेत्र में दशदिशे देकर अलग-अलग कॉल सेंटर्स में इन बदमाशों को दबोचा। पुलिस मुख्यालय, आसूचना विभाग और जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में लैपटॉप, हैंडफोन सेट मय माईक, चार्जर, वाईफाई राउटर व मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने ठगी करने वाले तीन मुख्य सरगनाओं को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में नागालैण्ड, दिल्ली, फरीदाबाद, मुंबई, महाराष्ट्र, नेपाल, हरियाणा, कानपुर और राजस्थान के लोग शामिल हैं। फिलहाल इनसे पूछताछ की जा रही है।



■ आरोपियों में नागालैण्ड, दिल्ली, फरीदाबाद, मुंबई, महाराष्ट्र, नेपाल, कानपुर, हरियाणा और राजस्थान के बदमाश शामिल

श्रीवास्तव ने बताया कि यह युवक-युवतियां अलग-अलग एप्लिकेशन और संचार तकनीक का प्रयोग करते हुए यू.एस.ए. के बुजुर्ग लोगों को अपना निशाना बनाते और विभिन्न अपराधों में फंसाने की धमकी देते। उनका इंटरनेट डेटा और कंप्यूटर सिस्टम हैक कर यह गैंग वारदातों को अंजाम दे रही थी। यह युवक-युवतियां, विदेशी लोगों को टारगेट कर उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी होने की धमकी देते थे।

आरोपी, टैक्सस से जारी फर्जी न्यायिक आदेश की कॉपी भेजकर भी कई लोगों को डराने-धमकाने की जानकारी सामने आई है। जब इन्हें लगता कि शिकार पूरी तरह से इनके जाल में फंस चुका है तो ये मामला निपटने

जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने गुरुवार को चित्रकूट, भांकरोटा, करणी विहार और रामनगरिया क्षेत्र में कार्रवाई कर शांति ठग गिराओं को गिरफ्तार किया।

और गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने के नाम पर बिटकोइन में वसूली करते थे। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर केलाशचंद्र विश्वासी ने बताया कि करणी विहार और भांकरोटा इलाके में पकड़े गए बदमाश फर्जी कॉल सेंटर्स पर विदेश में बैठे लोगों के कंप्यूटर पर हैकिंग का मैसैज भेजकर उनकी आइडेंटिटी को अपराध में काम में लेने की बात कहकर डरया जाता था। इसके बाद हैकिंग वरुस्त करने के बदले ठगी की वारदातों को अंजाम दिया

जाता था। पुलिस ने नागालैण्ड निवासी आरोपी कोमा सिपांग चांग, इसाका, सुविबा, किविपुस्तु, जेकुतु, अहातो, केतोवी उर्फ टोटो, अनावी येथ्योमी, विजय थापा, होतो के सैमा, लोमियोगोमो पेरी, हन्तसा पैरी और शूरिला को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार आरोपी राहुल सैनी निवासी मकराना (नागौर) हाल मानसरोवर जयपुर, तरुण कुमार निवासी अलवर गेट अजमेर,

वैभव निवासी फरीदाबाद, अली जव्वार निवासी मुम्बई महाराष्ट्र, दिवेश शर्मा निवासी फरीदाबाद, सत्यम कुमार चौधरी निवासी न्यू दिल्ली, सुरेश निवासी गांधीनगर जिला पूर्वी दिल्ली, अंकित निवासी गौड निवासी महाराष्ट्र, सुनील निवासी आक्षाम नेपाल, अंकित सैनी निवासी मुहाना जयपुर, शर्षाक जाधव निवासी शिवाजी नगर (महाराष्ट्र), अभिषेक शर्मा निवासी कानपुर उत्तरप्रदेश, मधुर सतिन उगाथ्याय निवासी मुम्बई महाराष्ट्र, जतिन गुर्गं

शिप्राथ, जयपुर, हर्षित गौतम निवासी जवाहर नगर जिला कोटा, निहाल चौधरी निवासी किसानगंज जिला बारां, सायेश शेख, शाहीब शेख निवासी अहमदाबाद, अभिषेक निवासी परबतसर, केतन निवासी गुजरात, सचिन निवासी सांगानेर, कुणाल माली निवासी मानसरोवर, हिमांक निवासी सोडाला, अर्जुन निवासी नाहरगढ़ और लेखसिंह राजपुरोहित निर्माण नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। फिलहाल इनसे पूछताछ की जा रही है।

10-10 हजार रु. के चार इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी क्राइम ब्रांच) टीम ने अलवर व भरतपुर पुलिस के सहयोग से जवाहर सर्किल और खो नागोरियान थाने में दर्ज दो अलग-अलग मुकदमों में वांछित चार इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

■ जयपुर पुलिस व सी.आई.डी. ने भरतपुर-अलवर टीमों की मदद से कार्रवाई की

भरतपुर पुलिस अधीक्षक मनुदल कच्छवा ने बताया कि जयपुर के जवाहर सर्किल के मुकदमे में भरतपुर जिले में नगर थाना क्षेत्र के मुंडिया गांव निवासी सिराज, कामिल और शाकिर को गिरफ्तार किया गया है जबकि थाना खोनागोरिया में वांछित आरोपी कैथवाडा के धर्मशाला गांव निवासी सलीम को गिरफ्तार किया गया है। इन चारों आरोपियों पर पुलिस मुख्यालय से 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित है।

और घेरकर आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी क्राइम ब्रांच) टीम और दोसा जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) की टीम ने ओएलएक्स पर ठगी और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग के मामले में थाना खो नागोरियान में दर्ज मुकदमे में दस-दस हजार रुपए के दो इनामी आरोपियों को दस्तयाब किया है। फिलहाल इनसे गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है।

कच्छवा ने बताया कि थाना जवाहर सर्किल पर दर्ज मुकदमे में वांछित आरोपी सिराज, कामिल और शाकिर के सीकरी फाटक कस्बा नगर में खड़े होकर किसी का इंतजार करने की सूचना पर सीआईडी सीबी रेंज सेल भरतपुर के नेतृत्व में गठित की गई। टीम दशदिशे देकर मौके से तीनों को डिटेन किया गया। इसी दौरान सूचना मिली की थाना खोनागोरियान में वांछित अभियुक्त सलीम सिरथली कुतकपुर चौराहे पर किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम कुतकपुर चौराहे पहुंची

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने आरोपी आजम खान निवासी कैथवाडा जिला भरतपुर तथा असलम खान निवासी नगर जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों के विरुद्ध जयपुर पूर्व जिले के थाना खोह-नागोरियान में राजस्थान के कई जिलों में लोगों से ओएलएक्स पर ठगी और ब्लैकमेलिंग के आरोप में थाना खोनागोरियान में वांछित अभियुक्त सलीम सिरथली कुतकपुर चौराहे पर किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम कुतकपुर चौराहे पहुंची

सार-समाचार

खिलाड़ियों की हॉसला अफजाई की



जयपुर । यूनिवर्सिटी फुटबॉल क्लब के सानिध्य में प्रसिद्ध स्पोर्ट्स स्कूल द्वारा 15 मई से 15 जून तक चल रहे स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैम्प में जी.एल.शर्मा, पूर्व सचिव राजस्थान स्पोर्ट्स कार्डिनल ने फुटबॉल, कबड्डी और वेतलिफ्टिंग के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर हॉसला अफजाई की तथा फुटबॉल का डेमो कोच हर्षवर्धन और यशवर्धन ने करवाया साथ ही कबड्डी और वेतलिफ्टिंग खेलों का डेमो देखा। इस अवसर पर क्लब कॉर्डिनेटर अभिनव स्वामी ने खेल और खिलाड़ी और खेल मैदान की आवश्यकताओं से शर्मा को अवगत कराया। शर्मा ने यूनिवर्सिटी फुटबॉल क्लब के प्रयासों की सराहना की तथा 15 जून को समापन समारोह में आने का वादा किया।

मंत्रालयिककर्मियों का अनशन जारी

जयपुर । राजधानी के शहीद स्मारक पर अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से चल रहे क्रमिक अनशन को गुरुवार को 85 दिन पूरा हो गए हैं। कोर कमेट्री सदस्य सुरेश धामाई ने बताया कि आज वह विभागीय विभागीय समिति अध्यक्ष प्रकाश चंद यादव के नेतृत्व में मनोज कुमार शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, नरसी लाल सैनी एवं जितेंद्र शर्मा क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राधेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धामाई, महेंद्र सिंह, देवेन्द्र सिंह नरुका, शेर सिंह यादव, महेंद्र शर्मा, छोटे लाल मीणा, रमेश तिवारी, सत्येंद्र यादव, नगेन्द्र सिंह नाथावत, रवि शंकर भट्ट, रेवडमल मीणा, राम प्रकाश मीणा, शेखर यादव, विजय कुमार वर्मा, मुकेश सैनी, कमलेश कुमार सैनी, राकेश वर्मा, शंकर लाल मीणा, ओम सिंह राजावत, चेतन कुमार नूनीवाल, गोपाल लाल ओलोरिया, ललित कुमार जागा, देवी सिंह, महिम जैन, सुनील, सुभाष, राजकुमार भाटी, ललित मोहन शर्मा व अमित सहित अन्य कर्मचारी अनशन पर बैठे।

डीसीपी ने लौटाए 224 मोबाइल फोन

जयपुर । राजधानी की नॉर्थ पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन की तलाश को लेकर विशेष अभियान छेड़ दिया है। जयपुर नॉर्थ जिले की संजय सर्किल थाना पुलिस ने तकनीकी सैल की मदद से संजय सर्किल इलाके से गुमशुदा मोबाइल फोन को ट्रेस कर असली मालिकों तक पहुंचाया। संजय सर्किल थाने में डीसीपी जयपुर नॉर्थ राशि डोगरा डूडी ने कई परिवारियों को उनके मोबाइल फोन सौंपे। संजय सर्किल पुलिस थाने में दर्ज मुकदमों के आधार पर लाखों रूपए के करीब 224 गुमशुदा मोबाइल फोन की तलाश कर उन्हें असली मालिकों को सौंपे। लंबे समय से गुमशुदा मोबाइल फोन वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी लौट गई। इस मौके पर डीसीपी जयपुर नॉर्थ राशि डोगरा डूडी ने बताया कि शहर में करीब दो वर्षों में गुमशुदा मोबाइल फोन की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत तकनीकी सैल की सहायता से मोबाइल फोन को तलाश कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाया जा रहा है। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस थाने में दर्ज 5 हजार से अधिक मोबाइल फोन को उनके मालिकों को लौटा चुकी है।

महिला नर्सिंगकर्मी से मारपीट

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर स्थित एक निजी अस्पताल में महिला नर्सिंगकर्मी से मारपीट का मामला सामने आया है। महिला मरीज के इलाज के दौरान भड़के परिजनों ने महिला नर्सिंगकर्मी के साथ जमकर मारपीट की। वार्ड से मारते हुए बाहर लाकर जमीन पर गिराकर लात-धूसों से पीटा। जालेबा हमला करने के बाद गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। हॉस्पिटल में लगे सीसीटीवी फुटेज में मारपीट की घटना कैद हो गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज किया और बदमाशों की तलाश शुरू की। पुलिस ने बताया कि सिंगोदिया विहार जयसिंहपुरा खोर निवासी शोभना राव (29) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उसने जयपुर हॉस्पिटल से नर्सिंग की पढ़ाई की है। स्टडी पूरी करने के बाद से जयसिंहपुरा खोर स्थित रोहित हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टायफ (सिस्टर) के पद पर कार्यरत है। तब 5 जून को दोपहर करीब 1 बजे एक महिला मरीज आई थी। महिला मरीज के साथ करीब 7-8 लोग मौजूद थे। डॉक्टर ने महिला मरीज की की लिला था। वार्ड में मरीज की जांच करने गईं। महिला मरीज को उसके परिजन के खड़े थे। जिस पर उसने परिजनों को कहा कि महिलाएं यहां रुक जाएं, बाकी आदमी बाहर चले जाएं। इस बात को सुनकर महिला मरीज के साथ आए एक व्यक्ति भड़क गया। महिला नर्स शोभना ने बताया कि महिला मरीज के साथ आया परिजन उससे गाली-गलौज करने लगा। कहने लगा तु कौन होती है बाहर भेजने वाली। हम तेरे को निकाल सकते हैं। ये सुनकर डॉक्टर से ईसीजी कराने की बात कहकर नर्स शोभना जाने लगीं। बाहर डॉक्टर को शिकायत करने जाते देखकर मरीज के साथ आए परिजनों ने उसे पकड़ लिया। दोनों हाथ पकड़कर उसके साथ अंधड़ता की विरोध कर महिला नर्सिंगकर्मी ने छुड़ाने के लिए लात भी मारी, लेकिन उसके बाद भी उसे नहीं छोड़ा। महिला नर्स शोभना ने बताया कि महिला मरीज के परिजनों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। वार्ड से पीटते-पीटते महिला नर्सिंगकर्मी शोभना को बाहर लेकर आए। हॉस्पिटल के हॉल में लेकर जमीन पर शोभना को गिराकर लात-धूसों से पीटा व रिस्मेशन पर तोड़फोड़ की।

संक्षिप्त

रवि साँखिया अध्यक्ष बने

जयपुर । लायंस क्लब जयपुर चार्टर्ड एकाउंटेन्ट्स की 2023-2024 की कार्यकारिणी का चयन होटल ग्रैंड चायक्य में हुआ। क्लब अध्यक्ष सीए अन्वराधा गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक में नॉमिनेशन कमिटी के सीए तिलक राज मुजाल ने नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद के लिए सीए रवि साँखिया, सेक्रेटरी पद के लिए सीए सचिन कुमार जैन एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए सीए रजत चेतानी का नाम प्रस्तावित किया जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

प्रधान आयकर कार्यालय में योग

जयपुर । केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से गुरुवार को प्रधान आयकर कार्यालय जयपुर में अधिकारी कर्मचारियों के लिए योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के सहयोग से किया गया। संस्थान में सहायक आचार्य डॉ. पुनीत चतुर्वेदी के नेतृत्व में संस्थान की टीम ने योगाभ्यास किया। संचार ब्यूरो केन्द्र सरकार के बड़े कार्यालयों में योगाभ्यास के कार्यक्रम कर रहा है।

प्रताप नगर में युवती से दुष्कर्म

जयपुर । प्रताप नगर में युवती की अस्मत् लूटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है। आरोप है जनवरी माह में आयुष पहारडिया ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना ली। इसके बाद देशशोषण करता रहा। अब बहनों को वीडियो भेज ब्लैकमेल कर रहा है। वहीं, प्रताप नगर थाने में 28 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है। आरोप है सौरभ सिंह शादी का झांसा देकर देशशोषण करता आ रहा है। कुछ दिन पहले उसके दोस्त अजय दुष्कर्म की कोशिश की।

झांसा देकर 14 लाख रुपये हड़पे

जयपुर । खोह-नागोरियान इलाके में एक युवक से 14 लाख रूपए हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इन्द्रा गांधी नगर निवासी विनोद कुमार बैरवा ने रिपोर्ट दी है। आरोप है परिचित कुणाल ने क्रिप्टोकॉर्सी में निवेश पर मोटा मुनाफा का झांसा दिया और 14 लाख 10 हजार 300 रूपए हड़प लिए। अब वह ना तो मुनाफा दे रहा है और ना ही उसने असल रकम लौटाई है। पुलिस जांच में जुटी है।

कर्मचारियों ने मंत्रियों के घर का घेराव किया

जयपुर । पिछले दो माह से मानसरोवर में महापड़ाव डालकर बैठे मंत्रालयिक कर्मचारी गुरुवार को उत्रा हो गए। इस दौरान वह मंत्रियों के आवास का घेराव करने के लिए सिविल लाइंस पहुंच गए। वहां पर दो टीमों में कर्मचारी मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी चैयमैट धर्मेन्द्र राठौड़ के घर पहुंचे। महेश जोशी के घर के बाहर नारेबाजी के दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने पुलिसकर्मियों पर महिला कार्मिकों से अभद्रता करने का भी आरोप लगाया। यहां करीब 70 कर्मचारियों ने गिरफ्तारी दी। पुलिस ने विद्याधर नगर थाने ले जाकर कर्मचारियों को छोड़ दिया। कर्मचारियों संघ के उपाध्यक्ष मुकेश मुद्गल ने बताया कि शुकवार को भी नेताओं के घरों का घेराव किया जाएगा। वहीं इससे पहले महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष

“एक जयपुर अभियान” को मिला साधु-संतों का समर्थन

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में राज्य सरकार को घोषणा के बाद सुनील कोठारी ने बताया कि जयपुर साधु संत समाज के अध्यक्ष सियाराम दास महाराज, मनोहर दास, राघवेंद्र दास से म्हारो जयपुर-य्यारो जयपुर अभियान का प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर 10 जून पैदल मार्च के लिए साधु संत समाज का समर्थन मांगा। जयपुर साधु संत समाज के अध्यक्ष सियाराम दास ने इस अवसर पर कहा कि अभियान में साधु संत समाज पूरी संख्या में शामिल होंगे व सर्व समाज से आदान किया सभी अधिक से अधिक संख्या पैदल मार्च में शामिल होकर जयपुर को बंटने से बचाए। हम छोटी काशी को नहीं बंटने नहीं देंगे।



जयपुर को दो जिलों में विभाजित करने के राज्य सरकार के फैसले के विरुद्ध छोड़ी गई प्रबुद्धजनों की मुहिम का साधु-संतों ने समर्थन किया।

करोड़ों रु. खर्च करके भी चौपाटियों की सुध नहीं ले रहा है हाऊसिंग बोर्ड

प्रताप नगर चौपाटी पर रखरखाव के अभाव में नष्ट हुए महंगे सजावटी पेड़



जयपुर (कांस)। हाऊसिंग बोर्ड द्वारा प्रताप नगर और मानसरोवर में करोड़ों रुपये खर्च करके दो चौपाटियां विकसित की गईं, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों की जमकर आवाजाही है। यहां मिलने वाले लजीज व्यंजनों और चौपाटी की खूबसूरती की हर तरफ सराहना तो हुई लेकिन ठेकेदार की लापरवाही और रखरखाव में कमी के कारण यह खूबसूरत चौपाटियां इन दिनों बेरंग होती नजर आ रही हैं। सबसे ज्यादा बदतर स्थिति प्रताप नगर स्थित चौपाटी पर सामने आयी है। यहां चौपाटी पर उद्यान विकसित कर उसके रखरखाव का कार्य हाऊसिंग बोर्ड ने मैसर्स सुरेश जसवाल की फर्म को दिया था। सूत्रों की मानें तो करीब ढाई वर्ष पहले ठेकेदार ने करीब 25 फीसदी कम दरों पर 1.70 करोड़ रुपये में यह टेंडर लिया था। तय राशि से करीब एक चौथाई कम दरों पर टेका लेने का नतीजा यह हुआ

बताया जा रहा है कि ठेकेदार ने करीब 25 फीसदी कम दरों पर 1.70 करोड़ रुपये में टेंडर लिया था, लेकिन शर्तों के मुताबिक ना तो मौके पर पेड़ लगे और जो पेड़ लगाए, उनका भी समय पर रखरखाव नहीं किया। ठेकेदार ने सांठगांठ करके टेंडर में तय संख्या से कम पेड़ लगाए और चौपाटी के बाहर जो कारपेट घास लगाई, वह भी जलकर नष्ट हो गई; इसके बावजूद अफसर हर माह फर्म को भुगतान करने में जुटे। पेड़ मौके पर लगे हुए हैं, उनके रखरखाव पर भी ध्यान नहीं दिया। चौपाटी के बाहर लगाई गई कारपेट घास भी नष्ट हो गई। बताया जा रहा है कि हाऊसिंग बोर्ड ने इस फर्म को काम देने समय सजावटी पेड़ों की संख्या तय की थी, लेकिन ठेकेदार ने उससे कम पेड़ लगाए। इसके बावजूद हर माह ठेकेदार को लाखों रुपये भुगतान किया जा रहा है।

#EQUESTRIAN SPORTS

Revitalizing Polo & Riding

Jaipur now has a revamped centre to learn the skill of horse riding and the strategic finesse of polo at the Sawai Man Singh Polo and Riding Academy. Located in the Rajasthan Polo Club, it fosters a love for equestrian sports in Jaipur.



Tusharika Singh
Freelance writer and city blogger

While Jaipur has long been recognized as the Mecca of polo, engaging local residents in the sport has presented its fair share of challenges. However, in recent years, the Rajasthan Polo Club and the dedicated efforts of Sawai Padmanabh Singh have been steadfast in their pursuit of involving more Jaipurites in polo. Their relentless endeavours have been instrumental in bridging the gap and creating opportunities for local participation in this esteemed equestrian discipline.

To further enrich the illustrious polo legacy of the Pink City, the Rajasthan Polo Club has opened its revamped horse riding school, Sawai Man Singh Polo and Riding Academy. Under the guidance of Sawai Padmanabh Singh, a renowned polo player and patron of the sport, the academy aims to promote riding, polo, and other equine sports in Jaipur.

To encourage Equine Sports

The Sawai Man Singh Polo and Riding Academy offers comprehensive riding lessons suitable for individuals aged 6 years and above. With its recent transformation, the academy is now equipped to meet the increasing demand for professional equestrian training. This initiative not only encourages local polo players from Jaipur to participate but will also eventually provide an opportunity for Jaipurites to engage in internationally acclaimed equine sports like dressage and horse jumping.

In his message, Sawai Padmanabh Singh expressed his enthusiasm for the academy, stating, "The Sawai Man Singh Polo and Riding Academy is an exciting and much-needed initiative that seeks to foster a passion for riding, polo, and equine sports in Jaipur. Our primary objective is to establish a robust platform for individuals to cultivate their skills, demonstrate their talents, and nurture the sport of polo. By doing so, we aspire to attract more local polo players from the Pink City while also expanding the horizons of equine sports beyond polo. Our ultimate vision is to encourage active participation from individuals hailing from diverse backgrounds and varied interests,



Tradition has it that Lord Curzon was responsible for saving the rhinoceros. However, the facts brought out by Ranjit Barthakur and Bittu Sahgal conclusively shows that these first steps were taken by a few determined, enlightened officers of the British Indian government. Barthakur and Sahgal record that the late S. Deb Roy, a remarkable Forest Officer of Assam and a conservationist, stated that Lady Mary Curzon, the Vicereine, had visited the Kaziranga region at the turn of the 20th century with the specific purpose of seeing this magnificent animal. However, she was not lucky, for all she saw was its spoor, and this led to her advocating for the protection of the rhino. There is yet another story doing the rounds: Lady Curzon went to Kaziranga in January 1905. She was accompanied by "Nigona Shikari", Bopiram Hazarika of Bosagaon, who convinced her that the animal she had seen in the distance was a rhino and not a buffalo. He showed her the distinctive tracks and urged her to stop the "Sahibs" from shooting them. There is, however, no written record of this visit and the story is probably apocryphal.



Divyabhanusinh
Ex India head for WWF. A renowned wildlife expert

In addition to the hunting and capture of wild animals, human progress resulting in destruction of the habitat over the millennia took its toll. It is clear that the numbers of larger mammals decreased exponentially in the 18th and 19th centuries, and the rhino was no exception. By the beginning of the 20th century about 200 individuals survived. Numbers apart, chronicles of shikar of the British period were certainly alive to the desperate situation that the animal faced and had started to express concern about it.

By the beginning of the 19th century Williamson had already noted that the rhinoceros was not found west of the Ganga. "Maori" recording his exploits later in the century noted that while rhinoceroses were not protected in the Terai area of India, they were protected by the Rana rulers of Nepal in their part of the Terai where outsiders did not have permission to shoot them. In fact when "Maori" accidently shot one there, his host was much exercised. Captain J.H. Baldwin, a sportsman writing at about the same time, noted that the animal was found on the banks of the

Accommodating Diverse Riders

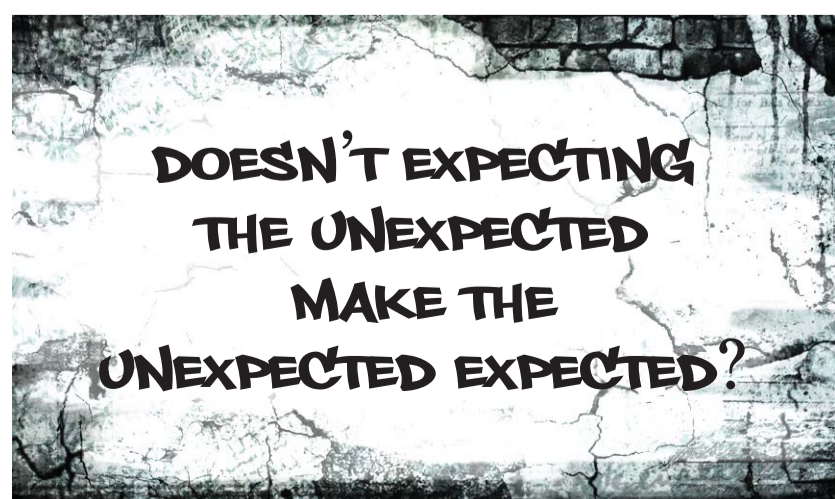
The Sawai Man Singh Polo and Riding Academy organizes three morning and three evening batches to accommodate riders of varying skill levels. The duration for learning basic riding typically ranges from 4 to 6 months, depending on the individual's progress. The academy's comprehensive training program focuses on developing equestrian skills, nurturing horsemanship, and fostering a profound appreciation for the art of riding.

Keeping the legacy alive

Sawai Man Singh II was not only an accomplished player but also played a vital role in promoting and popularizing polo in India. Known for his exceptional skills and strategic acumen on the polo field, he also played a significant part in the growth and development of the sport in Jaipur. He led the Jaipur polo team to numerous victories and championships, establishing a rich polo heritage in the Pink City. Today, Sawai Man Singh II's legacy lives on, as his name is associated with the Sawai Man Singh Polo and Riding Academy in Jaipur. The academy, named in his honour, aims to carry forward his passion for polo by nurturing young talents, promoting equestrian sports, and preserving the rich polo heritage of the Pink City.

For those interested in horse riding, the fees for the academy are set at INR 10,000 per month, while those keen on learning polo can avail themselves of the programme for INR 15,000 per month.

THE WALL



BABY BLUES



Donald Duck Day

Donald Duck is one of the most iconic characters of the Disney franchise and has, for multiple generations, been one of the hallmarks of childhood and innocence. Donald Duck may spark a plethora of childhood memories too, the unique voice known as pseudobulbar dysarthria may resonate in your mind and take you back to the old age times! He certainly does deserve to be celebrated and there is at least seventy years of joy that this duck has brought to the world, what is your first memory of Donald Duck?



Territorial fights among male rhinos can cause grievous injuries. Often Bleeding animals have been spotted in Kaziranga.

Photograph: Kakubhal Kothari.

....Saving The Gaiinda

#STORY OF THE INDIAN RHINOS

Sharda in Nepal, Pilibhit and Gorakhpur districts "but it is now extinct there or very nearly so". Alexander A. Kinlock noted that about the 1860s many rhinoceroses had been shot around Jalpaiguri, "but there party owing to being constantly hunted, and partly owing to the clearance of large tracts for Tea cultivation, they are rapidly becoming scarcer....In eastern portion of Bhutan Doora and in Assam, wherever there are heavy reed jungles on the banks of rivers or on margin of swamps...occasionally some congregate in one covert."

E.G. Afalo's compendium of sport available to the British, written in 1904, noted that 40 years earlier rhinoceroses had been extremely numerous and several could be hunted down in a single day. Afalo went on to record that "Owing indiscriminate slaughter of both sexes and all sizes, their numbers have been terribly reduced but there are enough left to enable a well-equipped sportsman to be pretty

sure of obtaining one or two specimens.... He also stated that shooting them in Nepal could only be done with a special permit.

Writing in 1910, Sainthill Eardley-Wilmot noted that while rhinoceroses and bison (gaur) were found earlier in the Bengal Terai, they had now become very scarce and shooting them was prohibited. He wrote that the "Maharaja of Cooch Behar was a keen sportsman and the head of game had become insufficient to afford diversion both to himself and his guests....". However, he stopped short of saying that the maharaja himself was responsible for his degradation.

E.P. Stebbing recorded in 1920 that the building of railways and the increasing number of sportsmen were the cause of the rhinoceros decline. C.H. Stockley too noted the reduction in rhinoceros numbers in 1928 and went on the state that protection of the animal in Nepal had kept its numbers from being deleted in that kingdom.

R.D.T. Alexander and A. Martin-Leake in Some Siniposts to Shikar noted in 1932 that it was very difficult to obtain a permit to shoot a rhinoceros in India and that was "as it should be for any rare or near extinct animal".

From these and other records of "naturalist's sportsmen" it becomes



Prince of Wales (later king Edward VIII) with his rhinoceros trophy in the Nepal Terai, winter of 1921-22. From Ellison, 1925.

evident that early on during the British period the rhinoceros was in near irreversible retreat. In India the colonial government had awakened to the problem by the early 20th century, as will be noticed from records after 1905 that rhinoceros hunting required a permit from the ruling authority in British India and in most of the princely states in India, whereas the Rana rulers of Nepal already had afforded protection to preserve the object of their most prominent sport. The reasons for the protection of the animal may have been dubious; the result however, was welcome.

Protecting the Rhino

It is evident that the battle for the protection of the rhinoceros was to be fought in the easternmost regions of India, in the Assam region of the Bengal presidency. The issue of depleting numbers of the animal was recognized by the administration as early as 1902 when J.C. Arbuthnot, Officiating Commissioner of the Assam Valley districts, wrote to B. Fuller, Chief Commissioner of Assam, on November 4 stating that the animal had been wiped out except in the Brahmaputra, Mikir Hills in Nowgong and Golaghat "where a few individuals still exist". Fuller replied on December 18 that while he regretted the plight of the animal it would be impossible to penalize unlicensed shooters without special legislation though he was open to create an asylum for them in the form of a reserved forest.

The possible areas for such a reserve were surveyed by an army officer, a Major P.R.T. Gurdon, and on September 20, 1904 C. Carr, the Conservator of Forests, recommended that Kaziranga be declared a Reserved Forest. This was promptly approved by Fuller and on June 1, 1905 a Gazette notification proposing to declare it as such was made. On January 3, 1908 Kaziranga was declared a Reserved Forest. This was promptly approved by Fuller and on June 1, 1905 a

The issue of depleting numbers of the animal was recognized by the administration as early as 1902 when J.C. Arbuthnot, Officiating Commissioner of the Assam Valley districts, wrote to B. Fuller, Chief Commissioner of Assam, stating that the animal had been wiped out except in the Brahmaputra, Mikir Hills and Golaghat.

Gazette notification proposing to declare it as such was made. On January 3, 1908 Kaziranga was declared a Reserved Forest and then upgraded to a Game Sanctuary in 1916. It appears that the Kaziranga area had become a haven for hunters and poachers, and hunting once again became rampant in the 1930s. In 1938 A.J.W. Milroy, Chief Conservator of Forests, opened the area to the public. Until the dawn of India's independence, this position continued. "The rhinoceros thus received protection in Assam. Tradition has it that Lord Curzon was responsible for saving



A floral tribute: Rhino sculpture (topiary) at Hanging Gardens, Malabar Hill, Mumbai. Photograph: Nilek Dhalia.

the rhinoceros. However, the facts brought out by Ranjit Barthakur and Bittu Sahgal conclusively shows that these first steps were taken by a few determined, enlightened officers of the British Indian government. Barthakur and Sahgal record that the late S. Deb Roy, a remarkable Forest Officer of Assam and a conservationist, stated that Lady Mary Curzon, the Vicereine, had visited the Kaziranga region at the turn of the 20th century with the specific purpose of seeing this magnificent animal. However, she was not lucky, for all she saw was its spoor, and this led to her advocating for the protection of the rhino. There is yet another story doing the rounds: Lady Curzon went to Kaziranga in January 1905. She was accompanied by "Nigona Shikari", Bopiram Hazarika of Bosagaon, who convinced her that the animal she had seen in the distance was a rhino and not a buffalo. He showed her the distinctive tracks and urged her to stop the "Sahibs" from shooting them. There is, however, no written record of this visit and the story is probably apocryphal.

There is no record of Lord Curzon visiting Kaziranga either, but he was very much alive to the problem of conservation of wild animals. In 1901, the Burma Game Preservation Association sent a memorial to the Viceroy seeking the imperial government's approval to shoot that in, the bro-antlered deer of Burma. In his celebrated reply of 1902, the Viceroy presents a tour de force of an argument for conservation that was rare in the empire at the time. His own words ring true even today: "There are some persons who doubt or dispute the progressive diminution of wildlife in

more after the letter was written and he could have intervened during that time. Be that as it may, 2005 saw the century celebrated of Kaziranga National Park and Sir Nicholas Moseley, the scion of Curzon's illustrious family, was invited to receive the Sentinel of Kaziranga tribute.

What is absolutely clear though, from various reports of "naturalist sportsmen", is that permission to hunt rhinoceroses was difficult to come by in the 20th century, as noted earlier. The province of Bengal went ahead and formalized protection by passing "The Bengal Rhinoceroses Protection Act" in 1932 when the shooting of an animal without permission or sale of its body parts invited imprisonment for one month and/or a fine of Rs 1,000. This was followed by the Assam Rhinoceros Preservation Act of 1954 after independence which was on the lines of the earlier Bengal Act of 1932. Thus the animal came to be legally protected throughout its remaining range.

The situation for the rhinoceros remained unchanged for the last two decades of British rule in India when the government was preoccupied with India's Freedom struggle and then the Second World War. The rhinoceros was already in precipitous decline when the British arrived in India, a situation that was exacerbated as a result of the depredations by the British and Indians alike. When the British left, the animal was making its last stand, thanks to the steps taken by certain British administrators.

After independence

The question, therefore, arises: what was the rhinoceros inheritance that the Republic of India received? The Javan and Sumatran rhinoceroses had long gone from the Indian subcontinent. What we know about the numbers of the greater one-horned rhinoceros is essentially a result of intelligent estimations by wild lifers, naturalists and forest officials, as no systematic population evaluation was done. That the situation was critical is obvious from the fact that, as early as 1954 M.R. Medhi, Chief Minister of Assam, wrote to Prime Minister Jawaharlal Nehru that the rhinoceros was on the verge of extinction in his state.

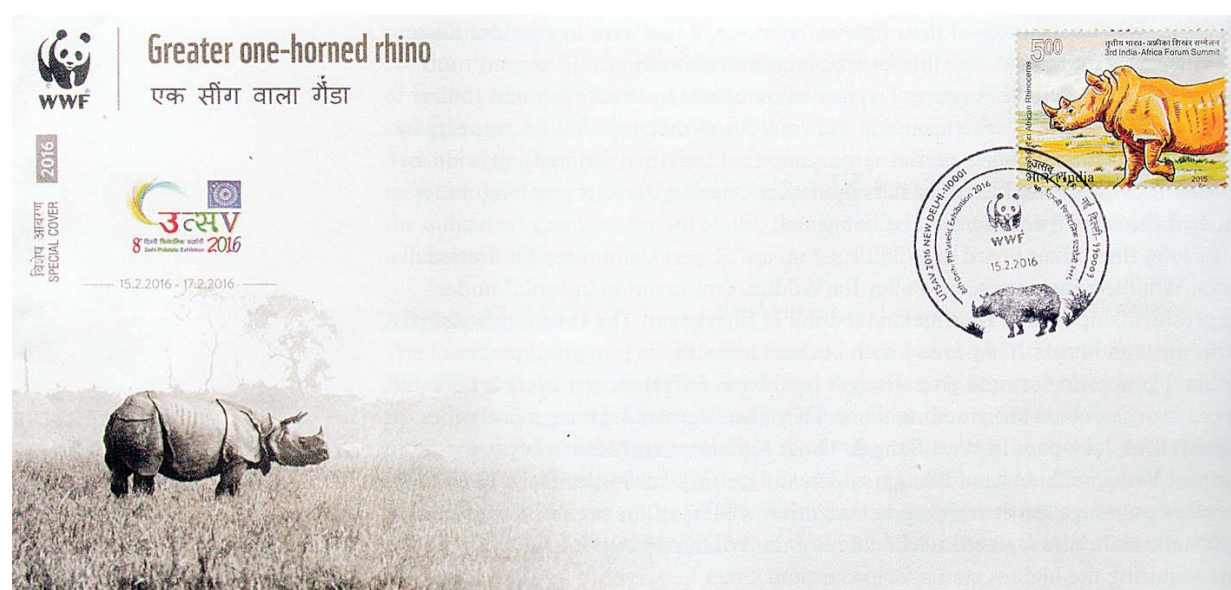
P.D. Stracey, a well-known Forest Officer and Director of the Forest Research Institute and Colleges, Dehradun, give us an early estimate of rhinoceros numbers. According to him in 1960 there were about 150 of them in Kaziranga Sanctuary, an area of 430 sq. Km. out of a total of about 300 in Assam, with another 50 in Bengal and about 300 in Nepal. According to him the total population was likely to be over 600. But, he adds: "No accurate census of this



Rhino medallion: Nepal's iconic magafauna features on this issue to celebrate the first decade of king Mahindra Trust for nature conservation in 1994. Courtesy Divyabhanusinh



On India's currency. The rhino appears on a 25-paise coin, now rarely seen, and with other mega fauna on the 10 rupee note (opposite).



In India Postage: The rhino adorned an early postage stamp and in 2016 the postal department issued a first day cover at the behest of world wide fund for Nature-india. The postage stamp on the first day cover depicts a black rhino from Africa. Courtesy Divyabhanusinh

animal (was) possible however and all estimates of its numbers are to be treated with caution.

E.P. Gee, the well-known tea planter and wildlife conservationist, estimated rhinoceros numbers as follows: Nepal 185, Bengal 65, and Assam 375, a total of 625 in 1964. Five years later, Balakrishna Seshadri, an engineer-turned-wildlife enthusiast, gives a figure of 745.

It is evident from these records that only rough estimates were made, as none of the three give us the basis of their figures. However, if one were to consider Kees Rookmaaker's estimation that there were about 200 rhinos in India around 1900 then one can conclude that years of conservation efforts by the British and Indian administrations were bearing fruit and the animal was making a bid for recovery by the end of the 1960s. This is on the assumption that the three estimates provide an indication of the general trend of the population dynamic, though poaching was a constant threat as it continues to be today.

In 1969 the Indian Board of Wildlife set up an "Expert Committee Re: National Parks, Wildlife Sanctuaries and Policy for Wildlife Conservation in India" under the presidency of K.S. Dharmakumarsinhji of Bhavnagar. The Committee visited Kaziranga and Manas. They found both of these areas fit for being declared as National Parks which would give stronger legal basis for protection to their flora and fauna, the rhinoceros being among them. They also suggested strong conservation measures for Jalidapara in West Bengal. Both Kaziranga and Manas of 884.43 sq. Km respectively, providing more secure refuge for the rhinoceros and other wildlife of the region. The animal itself went on to



find a place in Schedule I of the Wildlife Protection Act of 1972, this acquiring the highest status for protection.

In addition to the government's efforts, there is another reason for the gradual success of the protection of the rhinoceros over the last several decades. The Assamese people take a special pride in their "gaiinda". It has a unique place in local tradition. According to one legend the Princess of Sonitpur, daughter of king Ban, had a dream of a handsome prince with whom she fell in love. Her friend Princess Chitralekha drew likenesses of all the eligible princes of India until finally she drew a picture of Aniruddha, the grandson of Lord Krishna, whom the princess recognized as her dream prince.

Aniruddha came to Sonitpur to fetch the princess and apparently he was confined there by the King. Then Lord Krishna arrived, riding on a rhinoceros all the way from Dwaraka, to rescue Aniruddha. He left his mount in Kaziranga to graze and crossed the Brahmaputra to wage war. Upon the successful completion of his mission he played his flute to call the rhinoceros who could not hear it because of the sound of the flowing waters of the river. Lord Krishna was annoyed. He disowned his mount and proceeded to Dwaraka without it. The mount loved the environment of the green grass and stayed back. Hence the animal's presence in Kaziranga. It is also believed that the animal has no hair on its body as it was saddled for battle, according to a variant of the legend, and thus has hair only on its ears and tail! According to yet another legend, Lord Krishna's mount was readied for battle with armour.

Later, it was considered unsuitable for war and abandoned; however the armour remained, thus explaining the folds of its armour like skin which is bequeathed to its descendants.

Over the past decades Assam and Bengal have seen several insurgent movements. This has impacted the protection of the rhinoceros, to the extent that they were wiped out from Manas and had to be reintroduced from other protected areas. Its horn has made it a coveted target of poachers, which has always been a serious threat and accounts for the continuous decimation of rhino numbers.

The importance of the rhinoceros in the fauna of the Indian subcontinent has been recognized through its depiction on coins, stamps and commemorative issues. Despite the impediments and threats, the conservation efforts of the administration coupled with the local Assamese pride in their iconic symbol-a sentiment sadly lacking in Bengal-have played a prominent role in the rhino's successful survival and prosperity till date. At the same time such pride can also have led to some impediments in their reintroduction elsewhere, which is necessary for their long term survival.

rajeshsharma1049@gmail.com

Acknowledgement

1. The Book: "The story of India's Unicorns"
2. Authors: Divyabhanusinh, Asok Kumar Das & Shibani Bose.
3. Publisher: The Marg Foundation.
4. For Purchase: The book is available for purchase on www.marg-art.org



ZITS



By Rick Kirkman & Jerry Scott

By Jerry Scott & Jim Borgman

अजमेर कलेक्टर ने सेंट्रल जेल का निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं में सुधार के लिए निर्देश

बंदियों ने कलेक्टर से की पैरोल सुविधा शुरू कराने की मांग

अजमेर, (कांस)। जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने गुरुवार को सेंट्रल जेल पहुंचकर जेल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल को जेल की व्यवस्थाओं में सुधार लाने के दिशा निर्देश दिए तथा जेल में हो रहे नवाचार को लेकर जेल अधीक्षक के कार्य की सराहना भी की। कलेक्टर ने जेल में बंद बंदियों से बातचीत भी की। बंदियों ने पैरोल की सुविधा शुरू कराने की मांग की।

अजमेर जिला कलेक्टर भारती दीक्षित गुरुवार को सेंट्रल जेल पहुंची, जहां जेल स्टाफ ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिला कलेक्टर डॉ. दीक्षित को जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने जेल की व्यवस्थाओं से अवगत कराया और जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल में हुए नवाचार को लेकर चर्चा कर जायजा लिया। जेल निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर भारती दीक्षित ने जेल अधीक्षक मालीवाल द्वारा किए गए बेहतर नवाचारों जिसमें जेल बैंड, पढ़ाई जैसी कई नवाचार जेल में हुए हैं उनकी सराहना भी की। कलेक्टर डॉ. दीक्षित जेल अधीक्षक मालीवाल को जेल में सुविधाओं को बेहतर करने



सेंट्रल जेल निरीक्षण करने पहुंची जिला कलेक्टर डॉ. दीक्षित ने बंदियों से चर्चा की।

के दिशा निर्देश भी दिए

बंदियों ने की पैरोल शुरू कराने की मांग :- जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने जेल में निरीक्षण

के दौरान जेल में बंद बंदियों से बातचीत भी की। बंदियों ने जिला कलेक्टर से पैरोल सुविधा शुरू करवाने की मांग की। जेल अधीक्षक सुमन

मालीवाल ने कलेक्टर को बताया कि पिछले साल 30 लाख रुपए पीड़ित पक्ष को दिए तथा 1 करोड़ 90 लाख रुपए बंदियों की मददारी प्रदान की गईं।

कलेक्टर ने जेल अधीक्षक द्वारा किए गए बेहतर नवाचारों की सराहना की

उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर से बंदियों के लिए साउंड सिस्टम के लिए बेहतर उपकरण की व्यवस्था करवाने और जेल की विलडिंग का मटेनेंस करवाने की मांग की, जिस पर जिला कलेक्टर ने जेल अधीक्षक को आश्वासन दिया है। उन्होंने अजमेर जेल को रोल मॉडल बताते हुए अन्य जिलों की जेलों में भी इस तरह के प्रयोग प्रारंभ करने के लिए अधीक्षक को सम्पर्क करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल, आरएसएलडीसी के निखिल कुमार, कारापाल लालचन्द, मुकेश भाटी, उप कारापाल तरसेम सिंह, रविन्द्र कुमार, महावीर सिंह एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित थे।

वार्डपंच ने सरपंच और वी.डी.ओ. पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

अनुपगढ़, (निसं)। घड़साना पंचायत समिति की ग्राम पंचायत 6 डीडी के वार्ड नंबर 12 के वार्ड पंच जीवन सिंह ने सरपंच लिखमा देवी और ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) गोपीचंद पर गवन के आरोप लगाए हैं। वार्डपंच ने बताया कि सरपंच लिखमा देवी जयपाल का काम उसका बेटा जगदीश जयपाल संभालता है। वार्डपंच ने आरोप लगाया कि सरपंच, उसके बेटे और ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा पंचायत में काफी स्थानों पर विकास कार्यों के नाम पर घोटाला किया है। वार्डपंच ने बताया कि बरसाल के दिनों में ग्राम पंचायत की हालत दयनीय हो जाती है। गांव की गलियों में बरसात का पानी जमा होने के कारण गलियां नहर का रूप ले लेती हैं। वार्डपंच ने आरोप लगाया है कि गांव 6 डीडी के वार्ड 12 में पेयजल की सप्लाई के लिए पाइप लाइन डालने का काम 2021 में 1.40 लाख की लागत

कागजों में काम पूरा बताकर पैसे उठाने का आरोप

सरपंच के बेटे ने सभी आरोपों को निराधार बताया है

से स्वीकृत हुआ था। मगर सरपंच, उसके बेटे और वीडीओ की मिलीभगत के कारण यह काम नहीं हो पाया। जबकि इन्होंने सूचना पोर्टल पर 1 साल से काम को अंडर प्रोसेस में लिया हुआ है। वार्डपंच ने आरोप लगाया कि 2022 में दो लाख की लागत से बोरवेल लगाने का काम स्वीकृत हुआ था, मगर बोरवेल के काम में महज 50 से 60

हजार रुपए का खर्च आया है।

वार्डपंच ने बताया कि सरकार से वार्ड 5 और 6 में सफाई व्यवस्था के लिए 2022-23 में 2 लाख के लगभग बजट पास हुआ था। मगर सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा इन वार्डों में सफाई के नाम पर बिल्कुल भी खर्च नहीं किया गया। सभी ने पोर्टल सूचना पर काम को फरवरी माह में शुरू किया हुआ दिखाया हुआ है और वह काम अभी तक अंडर प्रोसेस में चल रहा है। सरपंच के बेटे ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पेयजल की पाइप को खोदकर चेक कर सकता है। वार्ड नंबर 5 और 6 में नियमानुसार सफाई करवाई जा रही है। नायब तहसीलदार सुंदरपाल ने बताया कि यह मामला पंचायत समिति से संबंधित है और विकास अधिकारी को निर्देशित किया जाएगा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए।

कार्य का बहिष्कार जारी

सादलपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के प्रांतीय आन्धान पर गुरुवार को उपशाखा राजगढ़ में बीएलओ कार्य का बहिष्कार चौथे दिन भी जारी रहा। जिला मंत्री वेदपाल मलिक ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयोग के आदेश, मुख्य सचिव के आदेश, निदेशक माध्यमिक शिक्षा के आदेश आदि के बाद भी प्रशासन शैक्षिक स्टाफ से बीएलओ कार्य करवाने पर आया हुआ है, जोकि संगठन किसी भी स्तर पर सरकार भी करता है। उपशाखा अध्यक्ष रतन पुनिया ने बताया कि जब तक प्रशासनिक अधिकारी इस बेगारी से मुक्ति नहीं कराता है तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। जिला संयुक्त मंत्री महेंद्र सिंह पुनिया ने इस आंदोलन में शामिल सभी बीएलओ का आभार प्रकट किया तथा संगठन का साथ इसी मजबूती के साथ देने का आन्धान किया। बहिष्कार के इस क्रम में अंबेडकर संघ के रघुवीर बाडेटिया, सुभाष बागेत व प्रवीण मेघवंशी शामिल रहे।

मांगों को लेकर चल रहा महापड़ाव जारी

बकाया फसल बीमा क्लेम, क्रॉप कटिंग सहित 22 सूत्री मांगें

चूरु, (कांस)। कलेक्ट्रेट के सामने अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से बकाया फसल बीमा क्लेम, क्रॉप कटिंग सहित 22 सूत्री मांगों को लेकर चल रहा महापड़ाव गुरुवार को आठवें दिन भी जारी रहा। किसान सभा के निर्मल प्रजापत ने बताया कि गुरुवार को सादलपुर विधायक कृष्ण पुनिया व सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा ने अपना प्रतिनिधिमंडल भेज कर किसानों का समर्थन किया है। विधायकों ने फोन पर बात कर कहा कि वे कृषि मंत्री लालचंद कटरिया से बात करेंगे और किसानों की वाजिब मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर किसान सभा के पदाधिकारियों ने विधायकों के प्रतिनिधिमंडल को अपनी 22 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा और जल्द ही इन मांगों को पूरा करने की मांग



कलेक्ट्रेट के सामने अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से महापड़ाव जारी रहा।

की। इस मौके पर अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश कार्यकारिणी

सदस्य निर्मल प्रजापत, किसान सभा के जिलाध्यक्ष इंद्राज खीचड़ व

महामंत्री उमरावसिंह सहित किसान सभा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवक की हत्या, चार हिरासत में

मृतक के परिजनों सहित आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के संगरिया थाना क्षेत्र के गांव मोरजंड में युवक की बेहरमी से मारपीट कर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि 4 युवकों ने मृतक युवक को जबरन शराब पिलाकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट कर हत्या कर दी। युवक पर हमलावर आरोपियों के बार-बार जीप चलाए जाने की बात भी सामने आई है। इसके बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस थाने का घेराव कर न्याय की मांग की है। संगरिया पुलिस ने हत्या की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 4 युवकों को हिरासत में लिया है।

संगरिया सीआई सुभाष चन्द्र कच्छवा ने बताया कि गुरुदास सिंह पुत्र साधु सिंह मजहबी सिक्ख निवासी मोरजण्ड सिक्खान ने रिपोर्ट दी कि बुधवार रात्रि 11 बजे मेरा पुत्र बलकरण सिंह और उसका मित्र जीवन सिंह ठेके के पास से गुजर रहे थे। तभी गुरुमीत सिंह उर्फ गिती पुत्र बलबीर सिंह, हरजीत उर्फ बोग पुत्र बलबीर सिंह, रोबिन पुत्र हरजीत सिंह, बलबीर सिंह पुत्र मुन्शी सिंह निवासी मोरजण्ड सिक्खान ने मिलकर मेरे पुत्र बलकरण सिंह उर्फ काली और जीवन सिंह पुत्र पाल सिंह निवासी वार्ड 01 मोरजण्ड को रोक लिया और जबरन शराब पिलाने लगे। परिवादी ने बताया कि बलकरण सिंह को शराब पिलाकर नशे की हालत में कर दिया और जीवन सिंह को मौके से डरा धमका कर भगा दिया। बलकरण सिंह को डंडों से मारपीट करना शुरू कर दिया और अपनी जीप से धक्का देकर नीचे गिरा दिया, फिर जीप चढ़ा दी। आरोपियों

द्वारा बार-बार जीप उसके उपर चढ़ाकर जान से मारने के लिए डण्डों, कृपाण, गण्डासा, तलवार एवं बरछा से मारपीट की गईं।

वे लोग उसे लुहलुहन हालात में मृत समझ कर छोड़कर चले गए। परिवादी ने पुलिस को बताया कि संगरिया से गांव लौट रहे गुरलाम सिंह को जीवन सिंह ने बताया कि चाचा बलकरण सिंह को आरोपी जान से मार रहे हैं तो वह उसे बचाने के लिए गया तो उन्होंने गुरलाम सिंह के हाथ पर कृपाण से वार कर दिया जिससे उसका हाथ कट गया और गम्भीर चोट आई। ठेके पर शराब पीते समय जगपाल सिंह उर्फ रेड्डी पुत्र बाबू सिंह एवं अन्य मौजूद थे। मौके पर सूचना पाकर पधुसेन साई जिसमें मैं अपने पुत्र एवं गुरलाम सिंह को संगरिया अस्पताल लेकर आया,

जहां गुरलाम सिंह का निजी अस्पताल में इलाज शुरू करवाया, लेकिन मेरे पुत्र को गम्भीर हालात में हनुमानगढ़ रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान कुछ समय बाद ही उसकी मौत हो गई। संगरिया पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर गुरुमीत सिंह उर्फ गिती पुत्र बलबीर सिंह, हरजीत उर्फ बोग पुत्र बलबीर सिंह, रोबिन पुत्र हरजीत सिंह, बलबीर सिंह पुत्र मुन्शी सिंह आदि के खिलाफ हत्या की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, युवक की हत्या के बाद परिजनों व ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर दिया। सीआई सुभाष चन्द्र कच्छवा ने बताया कि 4 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में भी ले लिया है। मामले की जांच गहनता से करने की बात कही है।

अफीम के साथ दो गिरफ्तार

रतनगढ़, (निसं)। पुलिस ने बुधवार को एक किलो अफीम के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी सुभाष बिजारणिया ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर मेगा हाइवे पर 400 केवी बिजलीघर के पास पिकअप में मध्य प्रदेश से पंजाब ले जाई जा रही 1 किलो अवैध अफीम के साथ 48 वर्षीय इकबाल सिंह निवासी पटिंडा पंजाब व 50 वर्षीय सतनाम सिंह निवासी डबवाली हरियाणा को गिरफ्तार किया है। दोनों व्यक्ति लहसून से भरी पिकअप में अफीम को पंजाब ला रहे थे। जांच की गई अफीम का बाजार मूल्य करीब डेढ़ लाख बताया जा रहा है।

विवाहिता ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। निटाऊवा थाना क्षेत्र के पाल निटाऊवा गांव में एक विवाहिता ने घर में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय सास और ससुर कمر के बाहर ही सो रहे थे। घटना के बाद लोग इकट्ठे हो गए। शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, पीहर पक्ष के आने के बाद ही पोस्टमार्टम हो सकेगा।

थाना एसआई ने बताया कि पाल निटाऊवा निवासी राईया पुत्र उदिया बरगोट ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। राईया ने बताया कि उसके बेटे भेरुलाल की शादी एक साल पहले मार्च-2, 2022 में अंजु उर्फ संजू के साथ करवाई थी। बेटा भेरुलाल गुजरात में मम्बई कला था घर पर ससुर राईया और सास धावरी के साथ बहु संजू उर्फ अंजु भी रहती है। रात को परिवार के सभी लोग खाना खाकर सोए थे। बहु अंजु उर्फ संजू अंदर के कमरे में सोई थी, जबकि सास और ससुर बाहर सोए थे सास-ससुर गुरुवार सुबह उठे, लेकिन बहु नहीं उठी थी। इस

सास और ससुर बाहर कमरे में सोए थे, एक साल पहले हुई थी शादी

पर उसे उठाने गए, लेकिन कमरा अंदर से बंद था। खिडकी से देखा तो बहु अंजु उर्फ संजू दुपट्टे से फंदा लगाकर लटकती हुई थी। दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो अंजु उर्फ संजू की मौत हो गई थी। घटना के बाद लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर निटाऊवा थाना पुलिस भी पहुंच गई। वहीं, शादी के एक साल का समय ही होने से एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। घटना को लेकर पीहर पक्ष मानपुर जिला उदयपुर को सूचना दी है। पुलिस ने शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। वहीं, पीहर पक्ष के आने के बाद ही शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम की कार्यवाई होगी। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

भू-माफियों पर कार्रवाई की मांग

चूरु, (कांस)। प्रजापति समाज उत्थान समिति चूरु की ओर से आर्वाटि भूखंड पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से घुसकर कब्जा करने के प्रयास के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद सर्व कुम्हार महासभा के प्रदेश महामंत्री चन्द्रमाम गुरी के नेतृत्व में प्रजापति समाज ने विभिन्न शांगों को लेकर भू-माफियों के खिलाफ रैली निकालकर भू-माफियाओं पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि प्रजापति समाज उत्थान समिति के भूखंड पर काफी मंदंगी हो रही है, भूखंड में साफ-सफाई का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस द्वारा भू-माफियाओं से सौंटांग कर साफ-सफाई करने से रोका जा रहा है। प्रशासन व पुलिस उन्हें भूखंड में साफ-सफाई करने से नहीं रोके। प्रजापति समाज उत्थान समिति के भूखंड की भू-माफियाओं से सुरक्षा के लिये भूखंड के चारों ओर चारदीवारी बनाने की अनुमति प्रदान करने की मांग की गई।

धार्मिक स्थल पर छेड़छाड़ और आगजनी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र की आरसी व्यास कॉलोनी सेक्टर 12 स्थित श्री खजुर के बालाजी के स्थान पर हनुमान चालिसा व सुंदरकांड की पुस्तकें जली हुई मिलने से स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है।

पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया

इस कृत्य से लोगों की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचा है। शर्मा ने रिपोर्ट में असामाजिक तत्वों के द्वारा इस घटना को अंजाम देने का हवाला देते हुये ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने व इस प्रकार के धार्मिक स्थानों पर ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी तैनात करने की मांग की है। पुलिस ने शर्मा की रिपोर्ट पर अपराध धारा 153(क), 295 आईपीसी के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर घटना को अंजाम देने वालों की पहचान के प्रयास कर रही है।

जरूरतमंदों को खाना खिलाया

अलवर, (निसं)। खैरथल कस्बे की टुरानी आबादी निवासी रेडकैप ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष लतिका आचार्य ने पिछले 5 वर्ष से अपने से दूर मुंबई में कार्यरत अपने भाई निखिल आचार्य के जन्मदिन को यादगार मनाने हुए इस्माइलपुर रोड रीको इंडस्ट्रीज एरिया में स्थित इंदिरा रसोई भोजन योजना में 101 जरूरतमंदों को भोजन कराकर उनके बीच केक काटा। लतिका आचार्य ने बताया कि उनका भाई निखिल आचार्य मुंबई में अपना कार्य करता है जो कि अपने काम की वजह से घर से दूर है। उनके जन्मदिन को जरूरतमंदों को भोजन कराकर केक काटकर खिलाया गया और कहा कि अगले वर्ष भाई के साथ ही इंदिरा रसोई में दोबारा आकर जरूरतमंदों को भोजन कराएंगी पर आज काफी संतोष मिला और अच्छा लगा जरूरतमंदों को भोजन करा कर। इस मौके पर उनके छोटे भाई करण आचार्य, माता अनूप आचार्य, इंदिरा रसोई मैनेजर मंजी शर्मा, कुसुम शर्मा, शिवा, विजया, तरुणा व्यास, जिंदर मामा, मानसी, निर्मला सहित अन्य लाभार्थी भी मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज में एकजुटता की जरूरत: मिश्रा

तीन सितंबर को सर्व ब्राह्मण महासभा के तत्त्वधान में होने वाले महासंगम की तैयारियों को लेकर चर्चा

करौली, (निसं)। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने खुले शब्दों में कहा कि अब समय एकजुटता दिखाने का है। उन्होंने कहा कि राजनीति में वर्चस्व दिखाने के लिए समाज को एक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सर कटाने को नहीं गिनाने की आवश्यकता है। आगामी 3 सितंबर को जयपुर में सर्व ब्राह्मण महासभा के तत्त्वधान में महासंगम होने जा रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर और महासंगम में अधिक से अधिक समाज के लोगों को भीड़ जुटाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ हर जिले में पहुंचकर ब्राह्मण समाज के लोगों को आन्धान कर रहे हैं। गुरुवार को करौली जिले में जिला मुख्यालय स्थित होटल में यहां के पाण्डे और सर्व ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष मुकेश पचौरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों का माला साफ



करौली में बैठक के दौरान महासंगम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि लंबे समय से ब्राह्मण समाज के लिए 14 प्रतिशत आरक्षण की मांग पिछले दो दशक से लड़ाई लड़ते आ रहे आ रहे हैं जिसको लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा की इंडव्यूट्स में जो विसंतियां हैं उनको दूर करने एवं एस्टी, एससी की

भांति समाज को राजनीति में आरक्षण देने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा इनके अलावा राजस्थान के सभी जिलों में छात्रावास और गुरुकुल खोलें जाएं एवं भगवान परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना हो। उन्होंने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को यदि आगे

बढ़ाना है तो शिक्षा और राजनीति में आगे आने की आवश्यकता है जिसके लिए समाज को संगठित होने की बहुत आवश्यकता है। इस अवसर पर महासंगम के पोस्टर का विमोचन किया गया। इससे पूर्व यहां पर जिले के जिला अध्यक्ष मुकेश पचौरी, राजेंद्र सारस्वत, बबलू शुक्ला, पत्रकार कृष्ण गोपाल

शुक्ला आदि ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय समाज के संगठित होने की आवश्यकता है तब ही जाकर राजनीति में वर्चस्व दिखेगा। इसी मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मिश्रा ने राजेंद्र सारस्वत को सर्व ब्राह्मण महासभा के जिला प्रभारी के पद पर और बबलू शुक्ला को सर्व ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य मंच से मनोनीत किया जिनका उन्होंने माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर ब्राह्मण समाज के मनोज शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, परमानंद, रमाकांत शर्मा, योगेश सारस्वत, विनोद शर्मा, चंद्र वेद आदि उपस्थित थे। अंत में सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश सचिव शिवचरण शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद देते हुए कहा कि जयपुर में 3 अतिथकों को समाज के होने वाले महासंगम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर समाज के हाथों को मजबूत करें।

सूरतगढ़ में 22 वर्षीय युवती से रेप, आरोपी फरार

नशीला पदार्थ खिलाकर रेस्टोरेंट में ले गए, पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज, जांच शुरू

सूरतगढ़, (निसं)। एक 22 वर्षीय युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोपी, युवती को नशीला प्रसाद खिलाकर रेस्टोरेंट में ले गए। जहां बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया। मामला सूरतगढ़ के सिटी पुलिस थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरपीएस अधिकारी विक्की नागपाल को जांच सौंपी है।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि क्षेत्र की युवती ने थाने में परिवाद देते हुए बताया कि वे सूरतगढ़ में कोचिंग करती है और रोजाना गांव से आना-जाना करती है। पीड़िता ने बताया कि उसके गांव के ही रहने वाला युवक लंबे समय से उसका पीछा कर रहा था। साथ ही उससे छेड़खानी करता और लव को रोल मॉडल बताते हुए अन्य जिलों की जेलों में भी इस तरह के प्रयोग प्रारंभ करने के लिए अधीक्षक को सम्पर्क करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल, आरएसएलडीसी के निखिल कुमार, कारापाल लालचन्द, मुकेश भाटी, उप कारापाल तरसेम सिंह, रविन्द्र कुमार, महावीर सिंह एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित थे।

इसके बाद दोनों उसे बाइक पर अपने साथ बैठाकर शहर के एक रेस्टोरेंट में ले गए जहां कमरे में बेहोशी

दुष्कर्मि युवक गिरफ्तार

चौधू/कालाडरा, (निसं)। थाना क्षेत्र में पीड़िता को डरा धमकाकर अलग-अलग होटलों में ले जाकर दुष्कर्म करने के मामले पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी विक्रान्त शर्मा ने बताया कि 7 जून को पीड़िता ने एक नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई की अजय नाम के युवक ने मुझे डरा धमका कर दोरती कर ली, मैंने कई बार मना किया किन्तु मुझे जान से मारने तथा परिवार रिश्तेदारी में बदनाम करने की धमकी देकर जनवरी माह में सीकर रोड पर स्थित एक होटल में ले जाकर गलत काम किया। परिवार वालों को इस घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। अप्रैल माह में मुझे

परीक्षा के दिनों में कॉलेज में मिला और धमकी दी की तुम्हारी अन्तिम कॉलेज परीक्षा के बाद मिलना। 3 मई को मैं परीक्षा देकर कॉलेज से बाहर निकली तो उक्त युवक मिल गया और डरा धमकाकर मेरे साथ फिर मेरी इच्छा के विपरीत मेरे साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि मैंने तेरे फोटो और वीडियो भी बना ली है। उसके बाद मुझे व मेरे परिवार वालों से मेरी फोटो वीडियो फेसबुक पर डालने की धमकी देते हुए 1,50,000 रुपये की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गठित कर आरोपी को 24 घण्टों के भीतर डिटेन कर पूछताछ व तपतीश के बाद अजय उर्फ कालू उम्र 19 साल को गिरफ्तार किया गया।

की हालत में उसके साथ रेप किया। जब पीड़िता को होश आया, तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। बाद में किसी ने उसके मामा को फोन कर भांजी के इस तरह हालत में रेस्टोरेंट में

पड़े होने की जानकारी दी। तब वे मामला दर्ज करवाया थाने पहुंचे, लेकिन बताया गया कि मामला सूरतगढ़ सिटी थाना क्षेत्र का है, इसलिए यहां पर परिवाद दिया गया है।

संक्षिप्त

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

श्रीमाधोपुर, (निर्स)। स्व. सुशीला देवी सोनी धर्मपत्नी मखन लाल सोनी की पुण्य स्मृति में आज 9 जून को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक एम एल सोनी कॉम्प्लेक्स स्टेशन रोड श्रीमाधोपुर में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी चंद्रशेखर लोकनाथका ने बताया कि शिविर में महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर के फिजिशियन जनरल मेडिसन, जनरल सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, आंकोलोजी कैंसर, कान नाक गला रोग, नेत्र रोग, योग एवम नेचुरोपैथी व अन्य रोगों के विशेषज्ञ उपस्थित रहकर निःशुल्क परामर्श देंगे। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी व दवाइयाँ निःशुल्क दी जाएंगी। आयोजक परिवार के मखन लाल सोनी, नारायण लाल सोनी, निरंजन लाल सोनी, नवीन सोनी, विपिन सोनी, हितेश सोनी आदि ने क्षेत्र के लोगों से आग्रह किया है कि शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

आग से चारा जला

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के पचेवर धानानगर नगर से पचेवर सड़क मार्ग पर बागीचा ढाणी के पास एक बाड़े में लगी आग से चारा जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार की दोपहर उममान मो. व मोहम्मद देशवाली के बाड़े में अज्ञात कारणों से लगी आग से बाड़े में रखा तीन टॉली चारा व ईंधन जलकर राख हो गया। तेज हवा के कारण उठी आग की लपटों से कई हेरे पेड़ आग से जल गये। सूचना पर मालपुरा नगरपालिका दमकल के साथ पहुंचे दमकलकर्मी अशोक, सल्तनारायण व आरिफ आदि ने ग्रामीणों के सहयोग से समय रहते आग पर काबू पा लिया।

युवक की संदिग्ध मौत

कोटपतली, (निर्स)। बुचाहेड़ा कोटपतली में एक युवक की संदिग्ध मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार आशोष (23) पुत्र लालाराम सैनी निवासी वार्ड नं. 31 मौल्लु बुचाहेड़ा कोटपतली के गंधीरावस्थान में यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक युवक शराब पीने का आदि था, जिसने विगत रोज अधिक शराब का सेवन कर लिया था जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मारपीट मामले में वांछित दो जने गिरफ्तार

पावटा, (निर्स)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बेरी में 5 अप्रैल 2023 की रात्रि शराब के ठेके पर तोड़फोड़ व सेल्लमेनो से मारपीट कर शराब की बोतले छिनकर फरार हो गए थे।

मामले की गंधीराता को देखते हुए जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पंचार ने बताया कि घटना को गंधीराता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपतली विद्याधरकाश व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर संजोव चौधरी के दिशा निर्देशन व प्रागपुरा थाना प्रभारी सवाई सिंह के नेतृत्व में आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया। टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर दबिश

गौ पैदल यात्रा का स्वागत

पावटा, (निर्स)। सांवरिया सेट से दिल्ली पैदल यात्रा कर गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा व गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाने, गौ हत्या व गौ तस्करी पर सख्त कानून को लेकर केदारनाथ गौशाला जरना के नेतृत्व में गौ पैदल यात्रा दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन सौंपेंगे।

इस दौरान गुरुवार को गौ पैदल यात्रा कई किलोमीटर की यात्रा तय कर पावटा ओम गेट्स हाउस पहुंचे यहाँ श्री राम गौ सेवा समिति पावटा सहित गौ भक्तों ने उनका स्वागत किया। जगदीश चोपडा कामधेनु गौशाला अध्यक्ष टोक व पावनदास महाराज करणेश्वर धाम नंदी गौ शाला कोटा ने बताया कि गौ माता इस धरा पर साक्षात देवताओं को पोषण देने वाली एवं मनुष्य का पोषण करने वाली मां है। इसलिए सरकारों को गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करना चाहिए एवं गौ हत्या व गौ तस्करी करने वालों के लिए सख्त कानून बनाना कर गौ बचड़खाना को बंद करना चाहिए वही गौचर भूमि को गौ पक्षियोंओं से मुक्त करवाना चाहिए जिससे गौ माता को खाने के लिए चारा उपलब्ध हो सके हर व्यक्ति को गौ संरक्षण करना चाहिए एवं किसानों को कम से कम एक गाय का पालन अपने घर में करना चाहिए। जब तक इस धरा पर है गाय का संरक्षण नहीं होगा तब तक इस धरा पर ऐसी ही विनाशकारी आपदाएं होती रहेंगी।

गोपाल भैया मंदिर में ठाकुरजी का पाटोत्सव धूमधाम से मनाया

पावटा, (निर्स)। पावटा नगर क्षेत्र स्थित श्री गोपाल भैया मंदिर में ठाकुरजी महाराज का पाटोत्सव व भागवत कथा के समापन पर मोहनदास रामायणी महाराज के सानिध्य में हवन यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से अभिषेक किया गया।

साथ ही उन्हें नवीन पीत पोशाक धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया

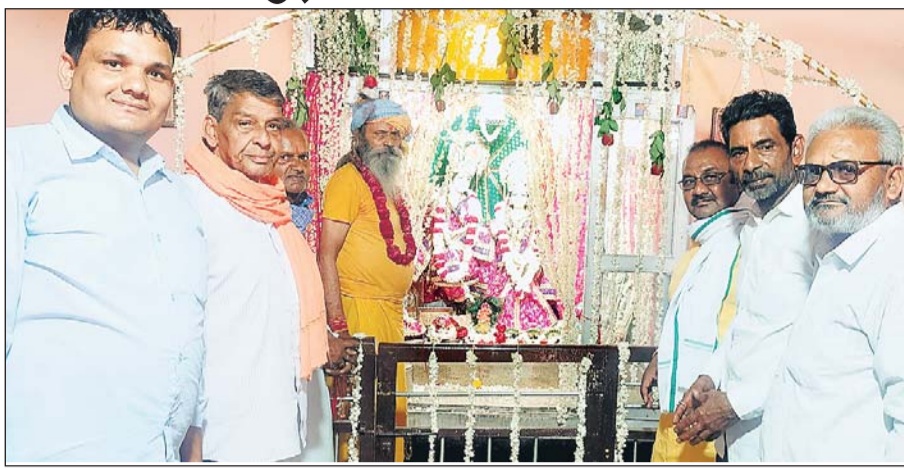
हवन यज्ञ व भंडारे के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

गया। वहीं भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली और फिर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य कमाया। इस दौरान कथा वाचक किशोर शरण महाराज प्रभुदावन ने व्यासपीठ ने 7 दिन तक चली कथा में भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा की महिमा बताई। उन्होंने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा। किशोर शरण महाराज ने कहा कि हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। व्यक्ति में धार्मिक आस्था

मुख्यमंत्री गहलोत आज कोटपतली दौरे पर

कोटपतली, (निर्स)। स्थानीय राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में शुरूकार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोपहर करीब 3 बजे विशाल जनसभा को सम्बोधित करेंगे। गौरतलब है कि कोटपतली-बहरोड़ को जिला घोषित किये जाने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत पहली बार यहाँ के दौरे पर आ रहे हैं। जिसके चलते क्षेत्रवासियों व आमजन में अपार उत्साह व जोश का माहौल है।

सभा स्थल पर 150 कार्मिकों ने 1 लोगों के बैठने के लिए 36 हजार वर्ग फिट क्षेत्र में 100/360 वर्ग फिट वॉटर प्रूफ डोम बनाया गया है। वहीं गर्मी से निजात के लिए कुलर, पंखे व पेयजल की व्यवस्था भी की जायेगी। सभास्थल सहित मुख्य चौराहे व सर्विस लेन पर जेसीबी एवं दर्जनों सफाईकर्मीयों की सहायता से युद्ध स्तर पर सफाई कार्रवाई गई है। अतिथियों के बैठने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग की देखरेख में 60 फिट चौड़े व 30 फिट लम्बे मंच का



ठाकुरजी का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से अभिषेक किया गया।

जागृत होती है। कथावाचक राधा किशोरी ने भंडारे के प्रसाद का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद तीन अक्षर से मिलकर बना है। पहला प्र का अर्थ प्रभु, दूसरा सा का अर्थ साक्षात व तीसरा द का अर्थ होता है दर्शन। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है। भगवान का लगाए गए भोग का बचा हुआ शेष भाग मनुष्यों के लिए प्रसाद बन जाता है।

वहीं मोहनदास रामायणी महाराज ने कहा कि शास्त्रों में लिखा है कि साधु संतों व बड़ों का सम्मान करने वाले लोग

ही समय-समय पर महान बने हैं। उन्होंने भक्ति के महत्व भी बताया है। कहा कि हमें जरूर प्रतिदिन अपनी दिनचर्या शुरू करने से पहले प्रभु के समक्ष नतमस्तक होना चाहिए। जीवन में गुरु का अहम महत्व है, क्योंकि गुरु ही यह बता सकते हैं कि किस तरह से धर्म मार्ग पर चल कर हम मोक्ष तथा शांति की प्राप्ति कर सकते हैं। हमारी नई पीढ़ी दिनों दिन भटकती जा रही है। ऐसे में वेद गंधों पर आधारित अध्यात्मिक मार्गदर्शन बेहद आवश्यक है। इस मौके पर दौलत अगवाल, अशोक मिश्रा, संजय मिश्रा, बंटी शर्मा,

कमल गर्ग, एडवोकेट दीपक गोगयल, विकास पुजारी, नितिन मुसल, कमलेश शर्मा, पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड़, सुरेश हरितवाल, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, शिक्षक दुर्गादत्त भारद्वाज, दिनेश शर्मा, दीपक पटेल, नितेश शर्मा, शुभम टीलावत, साहिल टीलावत, भार्गीरथमल यादव, रोहितेश यादव, रमेश खावल, प्रमोद शर्मा, अनिल शर्मा, जयराम कुमावत, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

गाड़िया लुहारों ने समस्याओं को लेकर गुहार लगाई

व्यवस्थाओं को दिया अंतिम रूप, सुरक्षा चाक चौबंद

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा शहर क्षेत्र से सटी बुजलाल नगर ग्राम पंचायत के सदरपुरा रोड पर बनी महाराणा प्रताप आवासीय कॉलोनी के वासिंदे गाड़िया लुहारों ने जनसमस्याओं के निस्तारण को लेकर पालिका ईओ व पार्षद से गुहार लगाई। गुरुवार को गाड़िया लुहारों के डेरों में पहुंचे पालिका ईओ राजपाल बुनकर व पार्षद नेहा दिनेश विजय ने गाड़िया लुहारों की समस्याएं सुनी तो लुहारों ने महाराणा प्रताप कॉलोनी में हाइमास्ट लाइट लगवाने, पानी की टंकी लगवाने सहित मनरेगा शहरी रोजगार गारन्टी योजना के जांचकार्ड बनवा उन्हें भी रोजगार व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाये जाने की मांग की।

ईओ ने जल्द समस्याओं का समाधान कर उन्हें 100 दिन का रोजगार मनरेगा में देने का विश्वास दिलाया। वहीं पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने पालिका अध्यक्ष व ईओ से मिल शहर



पालिका ईओ राजपाल बुनकर व पार्षद नेहा विजय ने गाड़िया लुहारों की समस्याएं सुनी।

में बंटी रोड लाइटें चालू करवाने की मांग की। तो पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने ईओ राजपाल बुनकर को बंद पड़ी रोड लाइटें जल्द चालू

विधायक का स्वागत किया

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा-किशनगढ़ सड़क मार्ग पर मालपुरा विधानसभा क्षेत्र की सीमा में हाथगी मोड़ के पास प्रस्तावित टोल नाँके को निरस्त करवाये जाने की घोषणा व लिखित पत्र मिलने के बाद ग्रामीणों ने विधायक कन्हैयालाल चौधरी का आभार जता स्वागत किया।

एडवोकेट अभिषेक पाराशर ने बताया कि मालपुरा किशनगढ़ सड़क मार्ग को राज्य सरकार ने स्टेट हाईवे घोषित कर पीपीपी मोड पर दिये जाने के बाद सड़क निर्माण एजेन्सी संवेदक द्वारा मालपुरा से लाम्बाहरिसिंह तक बनी पूर्ण सुरक्षित डामर सडक के नवीन निर्माण के नाम पर लीपापोती के साथ-साथ हाथगी मोड़ के पास टोल नांका निर्माण कार्य शुरू किये जाने की मिली सूचना पर पहुंचे विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने ग्रामीणों के सहयोग से सडक व टोल नांका निर्माण कार्य बंद करवा संवेदक को निर्माण कार्य बंद कर राज्य सरकार को पत्र लिख मालपुरा सीमा में प्रस्तावित टोल नांका निर्माण निरस्त किये जाने तथा जबरन टोल नांका निर्माण करवाने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। विधायक व ग्रामीणों के भारी विरोध के चलते सड़क निर्माण एजेन्सी व पीडब्ल्यूडी किशनगढ़ के अधिकारियों ने लिखित में विधायक को पत्र प्रेषित कर मालपुरा सीमा में टोल नांका नहीं लगाये जाने की दी सूचना के बाद ग्रामीणों ने बुधवार की रात बागड़ी में एक समारोह आयोजित कर विधायक को फूल मालाओं व दुट्टे से लाद स्वागत कर आभार जताया।

साार-समाचार श्रीरामार्चन महायज्ञ संपन्न



फुलेरा, (निर्स)। कस्बे के स्कूल खेल मैदान के निकट स्थिति श्री संकट मोचन हनुमान मन्दिर परिसर में गुरुवार को श्री संकट हनुमान मोचन हनुमान जी का 5 दिवसीय 54 वां वार्षिकोत्सव एवं श्री रामार्चन महायज्ञ का आयोजन संपन्न किया गया। पण्डित आशुतोष शर्मा ने बताया कि वार्षिकोत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें मुख्यतः 4 जून को प्रातः 5:15 बजे से भावक्याम संकीर्तन प्रभात फेरी, नगर परिक्रमा द्वारा क्षेत्रीय दैवीय संपदा का महोत्सव में आह्वान व धर्म ध्वज स्थापना इसके बाद प्रातः 10:15 बजे से श्री पोषणेश्वर महादेव का सख्ख घटाभिषेक एवं हनुमानजी महाराज का महाभिषेक किया गया। इसके साथ ही साँय 4:15 बजे भव्य श्रृंगार एवं विविध वाद्य यंत्रों की सुमंगला के साथ महाआरती की गई। इसी क्रम में 5 जून को प्रातः 9:15 बजे से संगीतमय अखण्ड श्री राम-नाम संकीर्तन आरम्भ किया गया। वहीं 6 जून को प्रातः 10:15 बजे से संगीतमय अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ किया गया। इसके अलावा 7 जून को दोपहर 12:15 बजे से श्री रामार्चन मण्डप निर्माण व श्री हनुमत दीपदान एवं साँय 6:15 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पठन एवं रामार्चन महिमा प्रवचन किया गया। इसी तरह 8 जून को प्रातः 8:15 बजे श्री रामार्चन महायज्ञ व मध्याह्न 1:15 श्रीराम सहस्रार्चन तथा साँय 4:15 बजे भव्य श्रृंगार कर महाआरती करते हुए साँय 6:15 बजे महाराष्ट्रादी विशाल भण्डारा किया गया। इसीके साथ रात्रो 8:15 बजे से भव्य एवं विशाल "रामरसिया" भजन संख्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

कोटपतली, (निर्स)। महाराणा प्रताप क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में निकटवर्ती ग्राम भैरसलाना में पंचम क्रिकेट प्रतियोगिता का विचार को प्रातः 08.15 बजे उदघाटन किया जायेगा। गुरुवार को वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना द्वारा प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर राजपुत युवा शक्ति जिला उपाध्यक्ष धर्म सिंह शेखावाल, कोटपतली जिला उपाध्यक्ष करतार सिंह गुड्डा, करणी सेना पावटा तहसील अध्यक्ष बिल्लू राजपुत, सुरेश सिंह, सुमेर सिंह, हरी सिंह, निर्मल सिंह, गजेन्द्र सिंह, नवीन सिंह भोनावास, गजराज सिंह भोनावास, गोविन्द सिंह, आशीष सिंह, विरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, केदार सिंह मेहरा, देव मोलाहेड़ा, सतीश चौधरी, हवासिंह जांगल, रोशन सैनी, विजय खडूब समेत अन्य मौजूद रहे। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में विजेता टीम को 11 हजार रुपये व उप विजेता टीम को 5100 रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार जयपुर ग्रामीण लोकसभा के भाजपा नेता डॉ. पंकज सिंह द्वारा भी प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया गया।

महंगाई राहत शिविर का निरीक्षण

बहरोड़/नीमराना, (निर्स)। पंचायत समिति बहरोड़ के प्रधान प्रतिनिधि बसोरीय यादव ने नीमराना पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत कायसा में आयोजित महंगाई राहत शिविर में पहुंचे लाभार्थियों तथा शिविर के सभी विभागों से उपस्थित प्रतिनिधियों से मुलाकात करते हुए महंगाई राहत शिविर का निरीक्षण कर महंगाई राहत के गारंटी कार्ड वितरित किए। वहीं उन्होंने शिविर में पंजीकरण करा रहे लाभार्थियों से कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश की जनता के लिए चलाई गई महंगाई राहत योजनाओं को पूरे देश की सहज जनता के लिए अनुकरणीय योजना बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की महंगाई राहत योजना एक अनुकरणीय पहल है। इस अवसर पर कायसा ग्राम पंचायत के सरपंच भूप सिंह, पूर्व सरपंच लीलाधाम यादव एवं पंचगण हाडा सरपंच, शौताज सिंह यादव, सांख्यिकी अधिकारी गोगयल, पूर्व प्रधान विक्रम सिंह, डॉक्टर जयपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष ओबीसी माजरी कला तेज सिंह रणजीत सिंह सहित ग्रामीण लाभार्थी मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

पावटा, (निर्स)। निकटवर्ती ग्राम लुहाकना कला में आयोजित महंगाई राहत केमप में लुहाकना खुर्द गांव में सरपंच द्वारा चारागाह भूमि को आबादी भूमि में परिवर्तित करवाने पर लुहाकना खुर्द के सभी ग्रामवासियों ने उपखंड अधिकारी बजरंग लाल स्वामी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व सरपंच दरियावल सिंह, बंधाई पंच मदन सिंह, उमेद सिंह, शिवू सिंह, छगन सिंह, कबूल सिंह, तेज सिंह, जिन्द्रे सिंह, केदार सिंह, पूर्ण सिंह, उमर सिंह, जितेंद्र सिंह ने बताया कि लुहाकना खुर्द गांव में गायां की संख्या अधिक है। पशु धन के चलने के लिए चारागाह भूमि बहुत सीमित है। इसलिए चारागाह भूमि को आबादी भूमि में परिवर्तित न किया जाए व चारागाह भूमि को आबादी भूमि में परिवर्तित करवाना रद्द किया जाए व उक्त प्रस्ताव को स्वीकृति नही दी जाए। यदि ऐसा होता है तो जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों व गौ भक्तों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

सेवा संस्था की कार्यकारिणी गठित



बहरोड़/नीमराना, (निर्स)। बहरोड़ तहसील सहित आसपास क्षेत्र की सार्वजनिक सेवाओं के चलते समर्पण सेवा संस्था बहरोड़ का गठन करते नवीन कार्यकारिणी 2023-24 का गठन किया गया। संस्था के फाउंडर सदस्य कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि संस्था अध्यक्ष- ओम यादव, सचिव प्रदीप सुरेडिया, कोषाध्यक्ष महावीर योगी को बनाया गया है। समर्पण सेवा संस्था का गठन कर संस्था की पहली पीएसटी का चुनाव किया गया। संरक्षक मंडल व अनुशासन समिति प्रमुख कृष्ण कुमार यादव डायरेक्टर श्रीराम पाण्डे फैक्टरी, वीरेंद्र कुमार प्रजापति, विजय कुमार शर्मा, राजेश मेहता, डाक्टर ऋषि देव यादव सहित 5 लोगों की समिति बनाई गई जो भविष्य में संस्था के विस्तार व सेवा कार्यों में अपना मार्गदर्शन व आह्वान प्रदान करेंगे। वहीं नवनिचुक्त पीएसटी को सभी सदस्यों द्वारा बधाई दी गई। इस दौरान राकेश मुच्छल, रामनिवास बसवाल, मनीषा प्रजापति, संदीप कुमार यादव, संदीप कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार, विक्रम एनआरआई सहित संस्था के सभी सदस्य मौजूद रहे।

खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया

मालपुरा, (निर्स)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के राउमावि कांटोली के खेल मैदान से राजस्व विभाग ने अतिक्रमण हटा स्कूल प्रशासन को सुपुर्द किया। प्रधानाचार्य महेंद्र शर्मा ने बताया कि बीते दिनों पंचायत मुख्यालय पर आयोजित प्रशासन शांति के संग अभियान में विद्यालय प्रशासन द्वारा एस्डीएम महिपाल सिंह को प्रार्थना पत्र सौंप खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त करवाये जाने की मांग की गई थी। मामले को गंधीराता से लेते हुए एस्डीएम की आदेशों पर नायब तहसीलदार चन्द्रशेखर टांक ने राजस्व विभाग के अधिकारी को के साथ मोकै पर पहुंचे पुलिस के सहयोग से खेल मैदान का सीमाज्ञान कराया अतिक्रमण हटाने की कार्यावाही करते हुए खेल मैदान से अतिक्रमण हटा विद्यालय प्रशासन को सुपुर्द किया।



जयपुर में पिछले कुछ दिनों से गर्मी अपने तेवर दिखाने लगी है। गर्मी से ना सिर्फ इंसान बल्कि जानवर भी त्रस्त हैं। पिछले कई सालों से बंदरों की सेवा कर रहे 'मंकी मैन' के नाम से प्रसिद्ध पंडित विजय शर्मा गलता गेट पर बंदरों को आइसक्रीम खिला रहे थे, उन्हें देखकर वहाँ से गुजर रहे विदेशी पर्यटक भी बंदरों को आइसक्रीम खिलाने से अपने आपको रोक नहीं सके।

कोल्हापुर में साम्प्रदायिक तनाव, 36 लोग गिरफ्तार हुये

हिंसा भड़काने का मुख्य कारण टीपू सुल्तान की तस्वीर के साथ सोशल मीडिया में विवादित पोस्ट शेयर करना बताया जा रहा है

मुंबई, 8 जून। कोल्हापुर में बुधवार की हिंसक झड़पों के बाद, स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सामने आई है। इससे पता चला है कि हिंसा में कोल्हापुर के बाहर के लोगों के शामिल होने का कोई सबूत नहीं है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हिंदुत्ववादी संगठनों द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान झड़प हुई थी।

पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित के अनुसार, कोल्हापुर पुलिस ने अपराधियों को सजा दिलाने के अपने

प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। तोड़फोड़, दंगा करने के आरोप में अब तक 36 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा, शहर में हुई हिंसक घटनाओं के मिलसिले में तीन किशोरों को भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कोलहापुर के बाहर के लोगों को लोकर हिंदुत्ववादी संगठनों द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान झड़प हुई थी।

कोल्हापुर एस.पी. ने कहा कि शहर के तीन अलग-अलग पुलिस थानों में एक साथ तीन प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की गई हैं और उन्होंने प्रक्षेपण पर कथित तौर पर झड़पों में शामिल होने के लिए मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मंगलवार को एक और अलग प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया पर स्थितिके रूप में भड़काऊ संदेश पोस्ट करने के लिए पांच किशोरों को हिरासत में लिया है। कथित तौर पर इसी पोस्ट के चलते हिंसा भड़की थी।

चंद्रयान-3 मिशन जुलाई में लॉन्च होगा

बेंगलूर, 8 जून (वार्ता)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने गुरुवार को कहा कि, इसरो जुलाई के मध्य में चंद्रयान-3 को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है।

सोमनाथ ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बेंगलूर शहर में अंतरिक्ष यान अभियान के संचालन पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एस.एम.ओ.पी.एस.-2023 को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, मिशन चंद्रयान-3 अपने प्रक्षेपण के समीप है। हम चंद्रयान-3 उपग्रह को बेंगलूर के यूआर राव उपग्रह केंद्र से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में पहले ही स्थानांतरित कर चुके हैं और उपग्रहों की प्रारंभिक जांच चल रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान के लिए लॉन्च वाहन, एलवीएम-3 भी प्रक्षेपण स्थल पर पहुंच चुके हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जादूगरी से कमाया पैसा-किरोड़ी लाल मीणा

भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, वे शुक्रवार को ई.डी. के समक्ष गहलोत परिवार के घोटालों के सबूत देंगे

जयपुर, 8 जून (का.सं.)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके बेटे वैभव गहलोत और बहू हिमांशी गहलोत पर पांच सितारा एंव हैरिटेज होटल व्यवसाय में फेक और डमी कंपनियां बनाकर हजारों करोड़ रु. के अवैध निवेश के आरोप लगाए हैं। इन होटलों में गैरकानूनी ढंग से भूमि रूपांतरण, अवैध निर्माण, चारागाह और सिंचाई विभाग की भूमि पर अतिक्रमण सहित जल स्रोतों के अवैध दोहन के आरोप लगाते हुए ई.डी. से जांच की मांग की। डॉक्टर मीणा ने कहा कि जांच होगी अशोक गहलोत सबसे धनी नेता निकलेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि, शुक्रवार को वे दोपहर 1 बजे ई.डी. के समक्ष प्रस्तुत होकर इन घोटालों के साक्ष्य पेश करेंगे। भाजपा ने यह मुद्दा 2013 में भी उठाया था। डॉक्टर मीणा ने कहा कि उसके बाद हमारे पास कई अलग साक्ष्य नए आए हैं और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एन.आर.आई. डॉक्टर के जरिए हवाला के सारे पैसों को सफेद करने का काम किया है।

डॉ. मीणा ने प्रेसवार्ता के दौरान मुख्य रूप से प्रदेश के चार बड़े होटलों उदयपुर के रेफल्स होटल, ताज अरावली होटल, माउंट आबू के निमडी पैलेस और जयपुर के फेयर माउंट होटल में अवैध भूमि रूपांतरण, निर्माण, विदेशी शैल कंपनियों के जरिये मॉरीशस और लंदन का पैसा निवेश करने के आरोप लगाए गए। मुख्यमंत्री गहलोत के राजनैतिक संरक्षण में उदयपुर की उदयसागर झील के पेटे की जमीन पर रेफल्स होटल का

■ किरोड़ी लाल मीणा ने कहा गहलोत परिवार ने मॉरीशस और लंदन की फेक कम्पनियों के जरिये होटल व्यवसाय में हजारों करोड़ रु. का बेनामी निवेश किया है।

■ उन्होंने कहा, पांच सितारा, हैरिटेज होटलों में बेनामी सम्पत्ति निवेश के खिलाफ आमेर थाने में दर्ज कराई एफ.आई.आर.।

■ लंदन के एन.आर.आई. डॉक्टर ने वैभव गहलोत की कम्पनी में किया करीब सौ करोड़ का निवेश-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा।

निर्माण किया गया है, जिसमें कुछ समय पहले एक आदिवासी की करीब आठ हैक्टेयर जमीन को हड़प कर उसमें से करीब दो हैक्टेयर भूमि को अवैध तरीके से रूपांतरित कर निर्माण किया है, जबकि छह हैक्टेयर भूमि को कृषि प्रयोजन के लिए छोड़ा गया है। दो हैक्टेयर भूमि में निर्माण इस ढंग से किया गया जिससे जमीन झील के पेटे से बाहर नजर आ सके। उक्त अवैध निर्माण को राजस्थान उच्च न्यायालय ने ध्वस्त करने के आदेश भी दिए थे। इसी होटल के लिए वर्ष 2014 में वर्धा एंटरप्राइजेज ने बिना अनुमति सड़क का निर्माण किया, जिसको 2017 में जलदाय विभाग की जांच में अवैध निर्माण माना गया। इसके बाद 2018 में प्रदेश में गहलोत सरकार बनते ही यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के संरक्षण में वर्धा कंपनी ने इस होटल में अवैध रूप से 40 कमरों को निर्माण करवाया।

राज्यसभा चुनाव के समय बाड़ाबंदी की गई थी। इस होटल में वन विभाग और चारागाह भूमि पर अवैध रूप से निर्माण किया हुआ है। नियमों की धज्जियां उड़ते हुए पिछला झील के पेटे में दस करोड़ के सौंदर्यीकरण कार्य कराए गए। वर्ष 2020-21 में जिसके खिलाफ मैने प्रदर्शन किया तो मुझे जिला बदर कर दिया गया था। इसके अलावा माउंट आबू का निमडी पैलेस, जो कि ईको सेंसेटिव जोन में आता है, में गहलोत के नजदीकी बड़ी जाखड़ ने राजनैतिक संरक्षण में अवैध रूप से 80 कमरों का निर्माण कराया। इसके अलावा जयपुर की पांच सितारा होटल फेयर माउंट में वैभव गहलोत ने एक शैल और फर्जी कम्पनी सिवनार होल्डिंग्स लिमिटेड के नाम पर 96 करोड़ 75 लाख रूपये मॉरीशस से बेनामी रूप से निवेश किया गया है।

शिवनार होल्डिंग्स लिमिटेड "एक फर्जी एवं शैल कम्पनी है जो कि मूल कंपनी "जे.टी.सी. फिड्यूसरी सर्विसेज लिमिटेड" (पूर्व नाम मिर्वा फिड्यूसरी लिमिटेड) मॉरीशस के पते पर पंजीकृत है। ट्राइडन होटल एण्ड रिसोर्ट प्रा. लि. कंपनी की फेयर माउंट में पचास प्रतिशत की हिस्सेदारी

रतनकांत शर्मा एवं उनकी पत्नी जूही शर्मा के नाम पर है। इसके अलावा बेनामी पचास प्रतिशत हिस्सेदारी वैभव गहलोत की फर्जी एंव शैल कम्पनी के नाम से है। जे.टी.सी. कंपनी में प्राइवेट क्लाइंट गहलोत परिवार से है जो मॉरीशस की कम्पनी के जरिये काले धन को सफेद करने में लगे हुये हैं।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि जे.टी.सी. फिड्यूसरी लिमिटेड एक हवाला कम्पनी है पनामा पेपर्स लीक स्कैम में भी इसका नाम था। शिवनार होल्डिंग लिमिटेड ने घाटे में चल रही कंपनी फेयरमाउंट होटल में आधा स्वामित्व भारी प्रीमियम कीमत पर खरीदा है, जबकि शिवनार होल्डिंग लिमिटेड ने मूल रूप से कंपनी के 50 प्रतिशत स्वामित्व के लिए भारी धनराशि का निवेश किया था, और होटल के वास्तविक बाजार मूल्य को संतुलित करने के लिए शेयरों को कम हिस्सेदारी के लिए एक 100 रूपये के शेयर को 39,000 रूपये व 2,200 रूपये प्रीमियम मूल्य पर खरीदा गया। वैभव गहलोत लंबे समय तक होटल फेयरमाउंट में कानूनी सलाहकार रहे हैं एवं उन्होंने फेयरमाउंट में बोनास बिल पास कराए, ऐसे सभी बिलों का भुगतान वैभव गहलोत और उनकी पत्नी हिमांशी गहलोत की कंपनी "सन लाइट कार रेंटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड" को किया जाता है। होटल फेयर माउंट के अन्य पंजीकृत रतनकांत शर्मा गहलोत के कारोबार का प्रबंधन करते हैं, और होटल फेयर माउंट जयपुर और रेफल्स उदयपुर होटल के मालिक भी हैं। वे गहलोत परिवार की कंपनी सनलाइट कार रेंटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में वैभव गहलोत के साथ बराबर हिस्सेदारी 50 प्रतिशत के मालिक थे। कुछ समय बाद रतनकांत शर्मा इस कंपनी से अलग हुए।

अध्यक्ष बने सौ दिन से ...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष) निर्णय ले लिया गया तो गांधी क्यों आए? वरिष्ठ नेता मनोमनय संस्कृति बनाए रखना चाहते हैं। जब सोनिया गांधी पार्टी अध्यक्ष थीं तब अधिकांश पद मनोमनय से ही भरे जाते थे। क्योंकि मनोनीत नेताओं में से अधिकांश ऐसे थे जो न तो पार्टी में चुनाव जीत सकते थे न पार्टी के बाहरी लेकिन उनकी ही तृती बोलती रही। सूत्रों का कहना है कि खड़गे संभावित प्रत्याशियों की लिस्ट बना रहे हैं, के.सी.आर. ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये तथा उपस्थित जन-समुदाय से कहा कि "इस पार्टी को तो बंगाल की खाड़ी में फेंक दो।" के.सी.आर. अपनी पार्टी को तो तेलंगाना से बाहर विस्तार देने के अभियान में लगे हुये हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में तथा हाल ही में मध्य प्रदेश में भी पार्टी के इकाइयों गठित कर दी हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री गत वर्ष अगस्त में बिहार के मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग करने पटका गये थी थे, लेकिन यह बिल्कुल सफा है कि ऐसे किसी गठबंधन में सहज रूप से शामिल उनके लिये संभव नहीं है, जिसमें एक घटक के रूप में कांग्रेस

जयराम को बदलने पर विचार करने की बात कही। चूंकि राहुल गांधी राजनीति को लेकर गंभीर नहीं हैं और प्रतिभा, जाति, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व जैसे कारकों को तजवजो नहीं देते हैं। इसलिए खड़गे के लिए एक ऐसी मजबूत टीम बनाना कठिन हो गया है, जो विधानसभा व लोकसभा चुनाव में पार्टी को आगे ले जा सके तथा चुनावों से निपटने के लिए प्रभावी नेतृत्व दे सके। पार्टी में समस्या यह है कि पार्टी के कई सटा केन्द्र हैं। राहुल गांधी को तो छोड़िए, उनके सैवतनिक स्टाफ की भी सचिवों और महासचिवों की नियुक्ति में अच्छी-खासी चलती है। इस परिदृश्य में कोई आश्चर्य नहीं है कि खड़गे अपनी टीम नहीं बना पाने के कारण परेशान हैं और "एडहॉकिज्म" के माहौल में जीने को बाध्य हैं।

कश्मीर के स्कूल में अबाया पहनने के मुद्दे पर विवाद

श्रीनगर, 8 जून (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के एक विद्यालय प्रशासन ने गुरुवार को 'अबाया' पहनकर आने वाली छात्राओं को स्कूल में घुसने की अनुमति नहीं दी, जिसके कारण वहां जमकर हंगामा हुआ।

विश्व भारती उच्चतर विद्यालय के छात्रों ने विद्यालय के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उन्हें अबाया (मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला एक

■ विद्यालय प्रशासन ने "अबाया" पहनकर आने वाली छात्राओं को स्कूल में घुसने की अनुमति नहीं दी।

ढीला बाहरी वस्त्र) पहनकर विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

वहीं, विद्यालय की प्रधानाचार्या ने

नियुक्ति रह...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष) याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि, कर्मचारी चयन बोर्ड ने 16 जून 2022 को पी.टी.आई. के 5546 पदों के लिए भर्ती निकाली। जिसमें याचिकाकर्ता शामिल हुईं और लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद उसके दस्तावेजों का सत्यापन भी किया गया। चयन बोर्ड ने गत 31 मई को भर्ती का अंतिम परिणाम जारी कर दिया, जिसमें याचिकाकर्ता का चयन हो गया। इसके बाद उसी दिन बोर्ड ने उसकी नियुक्ति को रद्द कर दिया। याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता की जानकारी में आया है कि, पेपर लीक के मास्टर माइंड भूपेन्द्र से दोस्ती होने के कारण उसकी नियुक्ति रद्द की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि, पी.टी.आई. भर्ती में पेपर लीक का आरोप नहीं लगा है और ना ही इस परीक्षा को लेकर कोई एफ.आई.आर. दर्ज हुई है। याचिकाकर्ता शुरू से ही होनहार छात्रा रही है और इस परीक्षा के लिए उसने कड़ी मेहनत की है। इसके बावजूद भी उसकी नियुक्ति रद्द करना गलत है। याचिका में यह भी कहा गया है कि, नियुक्ति रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता का पक्ष भी नहीं सुना गया। याचिका में बताया गया है कि, किसी आरोपी से दोस्ती होने के आधार मात्र पर याचिकाकर्ता को रद्दित नहीं किया जा सकता। ऐसे में उसकी नियुक्ति रद्द करने के आदेश को निरस्त कर उसे नियुक्ति दी जाए।

विपक्ष की एकता के सम्मेलन...

(प्रथम पृष्ठ का श्रेष) स्तर पर ले जाने की योजना बना रहे हैं, को ऐसे किसी समूह से जुड़ने में घोर आपत्ति है, जिस समूह में कांग्रेस मौजूद हो। हाल ही में, नार कुर्नूल में एक जनसभा को संबोधित करते हुये, के.सी.आर. ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये तथा उपस्थित जन-समुदाय से कहा कि "इस पार्टी को तो बंगाल की खाड़ी में फेंक दो।" के.सी.आर. अपनी पार्टी को तो तेलंगाना से बाहर विस्तार देने के अभियान में लगे हुये हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में तथा हाल ही में मध्य प्रदेश में भी पार्टी के इकाइयों गठित कर दी हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री गत वर्ष अगस्त में बिहार के मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग करने पटका गये थी थे, लेकिन यह बिल्कुल सफा है कि ऐसे किसी गठबंधन में सहज रूप से शामिल उनके लिये संभव नहीं है, जिसमें एक घटक के रूप में कांग्रेस

विद्यमान हो। लगभग ऐसी ही स्थिति तेलुगुदेश में प्रमुख एवं चंद्रबाबू नायडू की है, जो शीर्ष भाजपा नेताओं, जिनमें अमित शाह भी शामिल थे, के साथ मीटिंग करने 3 जून को नई दिल्ली भी गये थे। बताया जाता है कि नायडू भाजपा के साथ एक रणनीतिक गठबंधन में शामिल होने के प्रयास में हैं ताकि जगन मोहन रेड्डी की पार्टी के खिलाफ उनकी पार्टी की संभावनाओं को भाजपा का सहारा मिल जाये। जहां विपक्ष के दिग्गज नेताओं, जिनमें एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार तथा टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी भी शामिल हैं, ने मीटिंग में उपस्थित होने की पुष्टि कर दी है, वहीं के.सी.आर. और नायडू के मीटिंग में शामिल न होने से विपक्षी एकता के पिथन के संबंध में एक गलत संदेश जाने की संभावना है।

वरुण गांधी का प्रकरण छोड़ भाजपा ने राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' घेरी

भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी पर अमेरिका में देश का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की नफरत के राजनीतिक उदाहरणों को गिनवाया है

हुए राहुल गांधी से कहा, "आपके भाई वरुण गांधी ने आपको और आपकी सोनिया गांधी को आमंत्रित किया था। क्या आपको याद है कि, मोहब्बत का रिश्ता निभाते हुए न तो आप और न ही आपकी मां शादी में शामिल हुईं।" अपनी चिट्ठी में भाजपा नेताओं ने लिखा, "सबसे ज्यादा नफरत की दुकान कांग्रेस के समय में हुई थी, सबसे ज्यादा दंगे आपके समय में हुए थे। जिस तरह से आपके परिवार ने आपकी पार्टी के सदस्यों के साथ व्यवहार किया, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रिश्ते दिखाते हैं

हुए राहुल गांधी से कहा, "आपके भाई वरुण गांधी ने आपको और आपकी सोनिया गांधी को आमंत्रित किया था। क्या आपको याद है कि, मोहब्बत का रिश्ता निभाते हुए न तो आप और न ही आपकी मां शादी में शामिल हुईं।"

अपनी चिट्ठी में भाजपा नेताओं ने लिखा, "सबसे ज्यादा नफरत की दुकान कांग्रेस के समय में हुई थी, सबसे ज्यादा दंगे आपके समय में हुए थे। जिस तरह से आपके परिवार ने आपकी पार्टी के सदस्यों के साथ व्यवहार किया, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रिश्ते दिखाते हैं

■ भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर कहा है कि, "आपके भाई वरुण गांधी ने आपको और आपकी सोनिया गांधी को आमंत्रित किया था। क्या आपको याद है कि, मोहब्बत का रिश्ता निभाते हुए न तो आप और न ही आपकी मां शादी में शामिल हुईं।"

■ भाजपा नेताओं ने कहा है कि, आपकी मोहब्बत की दुकान पारिवारिक एवं व्यक्तिगत रिश्तों में क्यों कहीं दिखाई नहीं देती।

हुए भाजपा नेताओं ने कहा, जरा सोचिए, आपके पिता की मोहब्बत की दुकान में 1984 के दंगों में पीड़ित लोगों के लिए दो शब्द भी खर्च नहीं किए गए और जगदीश टाइलर अभी भी आपके परिवार के बहुत करीब है। चिट्ठी में भाजपा नेताओं ने लिखा, "राहुल, जब आप मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, तो आपकी दादी की तरफ से लगाया गया आपातकाल हमारी आंखों के सामने आपकी मोहब्बत को कॉमिडी बन गया है... नेहरू ने कवि मजरूह सुल्तानपुरी को बिना किसी

कारण के कैद कर लिया..." नेताओं ने चिट्ठी में कहा, "गांधी-नेहरू परिवार के बाहरी सौतेलापन केसरी कांग्रेस अध्यक्ष बने, जैसे आज मल्लिकार्जुन खड़गे हैं। प्रणव मुखर्जी को बख्श दें जिन्होंने सोनिया गांधी की पार्टी अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ किया। जब प्रणव मुखर्जी को 2019 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था, तब न तो आप और न ही सोनिया गांधी मौजूद थीं। चिट्ठी में जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद का जिक्र है। इसमें कहा गया है, "वरिष्ठ नेताओं का अपमान करना कांग्रेस के लिए कोई बड़ी बात नहीं है। याद रखें कि आपने गुलाम नबी आजाद के साथ क्या किया। क्योंकि उन्होंने आपकी पार्टी को सिर्फ आईना दिखाने का काम किया था।"